दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.61546/95

# क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-200 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 18 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना


### बापू की बातें

व्यक्ति अथवा समाज धर्म के सहारे जीवित रहता है, और अधर्म से नष्ट हो जाता है। सत्य के सहारे किया अर्थ-संग्रह अर्थात् व्यापार प्रजा का पोषण करता है। सत्यासत्य के विचार से रहित व्यापार प्रजा का नाश करता है। इस बात के अनेक दृष्टांत दिये जा सकते हैं कि असत्य से, छल-कपट से अर्जित लाभ क्षणिक है और अंत में वह हानिकारक ही है।

(06.09.1025 : नवजीवन में प्रकाशित लेख 'गोरक्षा' का अंश : सं.गां.वां. खंड 28 : पृष्ठ 167)

प्रदेश में 3.55 करोड़ दीये किये गये प्रज्ज्वलित, 845 आईकॉनिक प्लेस भी जगमगाये दीयो से

# शिप्रा तट और महाकाल महालोक में 33.27 लाख दीये एकसाथ किये गये प्रज्ज्वलित, बना वर्ल्ड रिकार्ड

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नवीन ने प्रज्ज्वलित किया आशीर्वाद का दीया

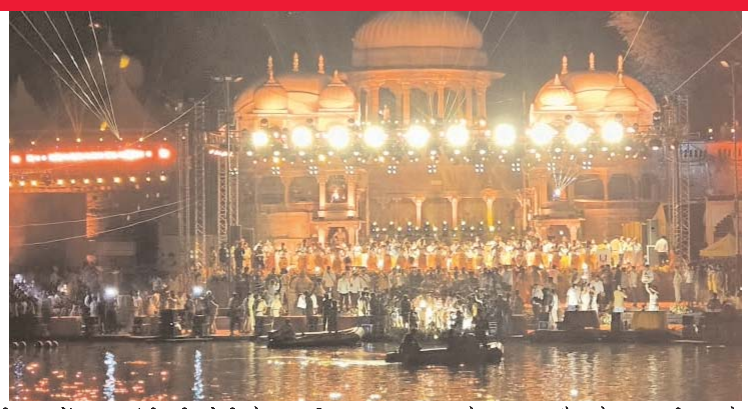

उज्जैन (ए) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर आशीर्वाद दीया जलाकर सेवा संकल्प अभियान का पूरे प्रदेश में भव्य शुभारंभ हुआ। प्रदेश के सभी जिलों और 845 आईकॉनिक प्लेस में 3 करोड 55 लाख दीये एकसाथ जलाये गये। सिर्फ उज्जैन में ही 33 लाख 27 हजार दीये एक साथ प्रज्ज्वलित कर वर्ल्ड रिकार्ड बनाया गया। उज्जैन के शिप्रा के रामघाट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंघी ने उज्जैनवासियों के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित किये। उज्जैन में शिप्रा नदी के विभिन्न घाटों सहित महाकाल लोक में सायं 7 बजे सायरन बजने के साथ सभी लोगों ने मिलकर दीप जलाये और प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नवीन एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंघी शिप्रा आरती में शामिल हुए और मां शिप्रा की आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। रोशनी में नहा उठे शिप्रा के तट

उज्जैन के शिप्रा घाटों पर सायरन की आवाज के साथ ही आशीर्वाद का दीया प्रज्ज्वलित हुआ वैसे ही कार्यक्रम के अतिथि, 25 हजार से अधिक वॉलिंटियर्स, श्रद्धालु और नागरिकों ने एक साथ दीयों का प्रज्ज्वलन प्रारंभ किया। लाखों दीप प्रज्ज्वलन के साथ घाट घाट जगमग हो उठे। प्रज्ज्वलित हुए लाखों दीप मानों प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर उनके द्वारा राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र भक्ति की सेवा के लिए किये गए 25 वर्षों के कार्यों के प्रति आदर और स्नेह की रोशनी फैला रहे थे। उज्जैन में शिप्रा तट के रामघाट, दत्त अखाडा, केदारेश्वर घाट, सुनहरी घाट, भूखी माता घाट के साथ महाकाल महालोक में भी दीपोत्सव कार्यक्रम में 33 लाख 27 हजार दीपों का प्रज्जवलन किया गया। प्रदेश के प्रमुख आईकॉनिक जगहों पर भी दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसमें ग्वालियर जिले के 11, शिवपुरी के 11, गुना के 10, अशोकनगर के 11, दतिया के 14, भिण्ड के 10, मुरैना के 18, श्योपुर कला के 80, इंदौर के 32, बडवानी के 27, धार के 32, झाबुआ के 11, आलीराजपुर के 4, खरगोन के 10, खण्डवा के 27, बुरहानपुर के 15, उज्जैन के 10, नीमच के 15, देवास के 17, शाजापुर के 16, आगर के 7, रतलाम के 17, मंदसौर के 15, भोपाल के 21, सीहोर के 10, रायसेन के 18, विदिशा के 18, राजगढ के 11, नर्मदापुरम के 10, बैतूल के 144, हरदा के 10, सागर के 10, दमोह के 11, पन्ना के 10, छतरपुर के 10, टीकमगढ के 13, निवाडी के 10, रीवा के 11, मऊगंज के 10, सीधी के 15, सिंगरौली के 10, सतना के 17, मैहर के 11, शहडोल के 10, अनूपपुर के 10, उमरिया के 27, डिण्डौरी के 10, जबलपुर के 12, कटनी के 13, बालाघाट के 22, छिंदवाडा के 11, पाण्डुर्ना के 10, नरसिंहपुर के 10, सिवनी के 16 और मण्डला के 17 के आईकॉनिक जगहों पर बडी संख्या में दीप प्रज्ज्वलित किये गये।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन पर पुतिन और ट्रंप समेत देश-दुनिया से मिलीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपना 76वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर देश-दुनिया से उन्हें शुभकामना संदेश मिल रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी है।भारत में अमेरिकी दूतावास ने सामाजिक माध्यम पर जारी संदेश में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी जाती हैं। दूतावास ने प्रधानमंत्री मोदी के आने वाले वर्ष के लिए अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों की कामना की। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को अपने देशवासियों का गहरा सम्मान और वैश्विक मंच पर व्यापक प्रभाव प्राप्त है, जो पूरी तरह उचित है। पुतिन ने भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत योगदान की भी सराहना की।

## ग्रामीण आबादी को मिलेगा अपनी संपत्ति का अधिकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 के अंतर्गत 50 लाख निजी संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री अभियान का शुभारंभ

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामित्व योजना शुरू होने से ग्रामीण आबादी को उनका अधिकार मिलेगा। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश के 41 हजार से अधिक गांवों में एक माह तक अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने का अभियान चलाया जा रहा है। पैतृक और अपनी संपत्ति हर परिवार का सपना होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद नितिन नवीन की उपस्थिति में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना में निजी सम्पत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री दस्तावेज प्रदान करने के अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पहली बार मध्यप्रदेश की धरती पर आगमन हुआ है। हम सभी उनका अभिनंदन करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दुनिया को भारत की शक्ति से परिचित करवाया है। हाल ही में नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान दुनिया ने इसे महसूस किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी देशवासियों के कल्याण के लिए कई योजनाओं के माध्यम से लगातार काम कर रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्मदिवस है और भगवान विश्वकर्मा की भी जयंती है। भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि की रचना के साथ-साथ सभी प्रकार के छोटे काम करने वालों को स्वावलंबन की राह दिखलाई। राज्य सरकार छोटे कामगारों के साथ खड़ी है। हमारी सरकार ने लाड़ली बहनों के कल्याण के लिए 55 हजार करोड़ से अधिक राशि अब तक उनके खातों में अंतरित की है। माताओं-बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश समृद्ध हो रहा है।

## मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने नर्मदापुरम के औद्योगिक केंद्र मोहसा का निरीक्षण किया

मुख्य सचिव ने उद्योगपतियों से किया संवादस्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता दे, ग्लोबल आई टी पार्क में प्रशिक्षण के लिए कंपनी अपने प्रशिक्षक भेजे

नर्मदापुरम (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने नर्मदा पुरम के मोहासा औद्योगिक केंद्र का निरीक्षण किया, इस दौरान सोलर पैनल बनाने वाली ग्रू सोलर कंपनी का निरीक्षण कर उद्योगपतियों से चर्चा भी की। इसके साथ ही ग्रू सोलर कंपनी की प्रोडक्शन यूनिट का भ्रमण कर जानकारी भी ली। मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने कहा कि मोहासा में निवेश करने वाली कंपनी स्थानीय लोगों को रोजगार देने में प्राथमिकता दें, इसके लिए भी आईटीआई में उनके अनुसार आवश्यक कोर्स भी शुरू करेंगे इसके लिए वह अपनी आवश्यकताएं भी संभाग आयुक्त नर्मदापुरम को बता दें जिससे उन कोर्स को स्थानीय स्तर पर आईटीआई में शुरू किया जा सके।मुख्य सचिव ने कंपनी के संचालक और अधिकारियों से संवाद करते हुये कहा कि ग्लोबल आईटी पार्क में भी इन कंपनियों से संबंधित कोर्स चालू कराए जाएंगे इसके लिए कंपनी अपने प्रशिक्षक भेज दे, वर्तमान में हमारे ग्लोबल आईटी पार्क में ढाई हजार बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ग्लोबल आई टी पार्क में 10 हजार लोगों को कंपनीयो की आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण देने का कार्य करेंगे जिससे स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित लोगों को रोजगार उपलब्ध हो।

## ऊधमपुर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, 2 आतंकी ढेर; सर्च ऑपरेशन जारी

ऊधमपुर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले के पहाड़ी क्षेत्र मजालता में रात सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई में दो आतंकियों के मारे जाने की खबर है, हालांकि अभी तक सुरक्षा एजेंसियों की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सुरक्षा बल इलाके में मारे गए आतंकियों के शवों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने मजालता तहसील के खुबन इलाके की घेराबंदी कर दी।

## मणिपुर के राहत शिविरों में मौतों पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, कहा-हमें मजबूर न करें

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मणिपुर में वर्ष 2023 में हुई हिंसा के बाद राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित लोगों की सुरक्षा और उनकी स्थिति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। न्यायालय ने राहत शिविरों में हुई 25 असामान्य मौतों और कथित यौन उत्पीड़न की घटना का संज्ञान लेते हुए मणिपुर के मुख्य सचिव को विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ मणिपुर में वर्ष 2023 की जातीय हिंसा से जुड़े यौन हिंसा के मामलों की जांच और सुनवाई से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान पीठ ने जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने राज्य सरकार से कार्रवाई का विवरण मांगा और कहा, अपने मुख्य सचिव से कहिए कि न्यायालय को आदेश देने के लिए मजबूर न करें। हमें बताइए कि आपने क्या कदम उठाए हैं। न्यायालय ने मुख्य सचिव को राहत शिविरों में हुई सभी 25 असामान्य मौतों का पूरा विवरण, शव परीक्षण रिपोर्ट और मृत्यु के कारणों को स्पष्ट करने वाले अन्य संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

## पन्ना की हीरा खदान में एनएमडीसी को दूसरी बार मिला कोहिनूर, कीमत दो से ढाई करोड़

पन्ना (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के पन्ना की रत्नगर्भा धरती ने एक बार फिर बेशकीमती हीरा उगला है। पन्ना स्थित राष्ट्रीय खनिज विकास निगम की मझगवां हीरा खनन परियोजना में 27.29 कैरेट का उच्च गुणवत्ता वाला हीरा मिला है। इसे परियोजना में अब तक प्राप्त दूसरा सबसे बड़ा उच्च गुणवत्ता वाला हीरा बताया जा रहा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इसकी कीमत करीब दो से ढाई करोड़ रुपये हो सकती है। हालांकि, हीरे की कटाई और पॉलिश के बाद ही इसकी वास्तविक कीमत तय होगी।यह हीरा 15 सितंबर 2026 को मझगवां स्थित राष्ट्रीय खनिज विकास निगम की हीरा खनन परियोजना में प्राप्त हुआ। इससे पहले जुलाई 2026 में परियोजना में 13.16 कैरेट का हीरा मिला था। अब 27.29 कैरेट के हीरे की प्राप्ति के साथ पिछले रिकॉर्ड में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने भी इस उपलब्धि की जानकारी अपने सामाजिक माध्यम के जरिए साझा की है। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम की मझगवां परियोजना एशिया की प्रमुख मशीनीकृत हीरा खनन परियोजनाओं में शामिल है।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला मां नर्मदा का आशीर्वाद

नर्मदापुरम की जनता ने मां नर्मदा के पावन तट सेठानी घाट को 51 हजार दीपों की रोशनी से आलोकित किया प्रधान सेवक श्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा से संकल्प अभियान का हुआ भव्य एवं दिव्य शुभारंभ

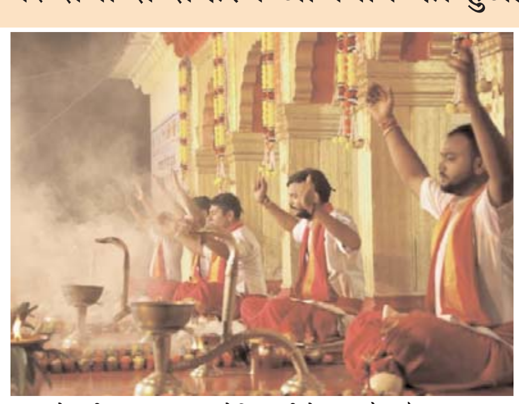

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले सेवा से संकल्प अभियान का शुभारंभ 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर नर्मदापुरम में अयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम उनकी जन सेवा और जिम्मेदारी को समर्पित रहा। जन सेवा और सुशासन को समर्पित यह आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम में नागरिकों की सहभागिता ने अभियान की सार्थकता को प्रमाणित किया। अभियान का उद्देश्य जनसेवा, सुशासन, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण की भावना को और अधिक सशक्त बनाना है। इसी क्रम में नर्मदापुरम जिले में आयोजित दीपोत्सव ने सेवा, आस्था और सामूहिक सहभागिता का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया।सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम में नर्मदापुरम जिले ने अपनी सशक्त सहभागिता दर्ज कराई। गुरुवार को मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित प्रसिद्ध सेठानी घाट पर 51 हजार दीपों का भव्य प्रज्वलन किया गया। हजारों दीपों की स्वर्णिम आभा से सेठानी घाट जगमगा उठा और पूरा नर्मदा तट दीपावली जैसी अलौकिक रोशनी से नहाया नजर आया। दीपों की कतारों ने घाट की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। इस मनोहारी एवं भव्य दृश्य के साक्षी जिले के हजारों नागरिक बने।

दीपों की रोशनी में निखरा सेठानी घाट, उमड़ा जनसैलाब

सेठानी घाट पर आयोजित दीपोत्सव के दौरान घाट का प्रत्येक कोना दीपों की रोशनी से आलोकित हो उठा। मां नर्मदा की लहरों पर झिलमिलाती दीपों की आभा ने वातावरण को अत्यंत मनोहारी बना दिया। श्रद्धा और उत्साह से भरे नागरिकों ने इस ऐतिहासिक आय ोजन में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति से सेठानी घाट पर उत्सव का वातावरण बना रहा।दीप प्रज्वलन के दौरान नागरिकों ने जनसेवा, सामाजिक दायित्व और सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही 51 हजार दीपों को प्रज्वलित कर इस आयोजन को नर्मदापुरम जिले की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बनाया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा को समर्पित आयोजन

उल्लेखनीय है कि जनसेवा और सुशासन को समर्पित यह दीपोत्सव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा एवं सुशासन के क्षेत्र में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से उनकी सेवा भावना, जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्रहित में किए जा रहे कार्यों के प्रति सम्मान एवं समर्पण व्यक्त किया गया।'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम में नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने सेवा से संकल्प अभियान की भावना को मजबूती प्रदान की। यह आयोजन केवल दीप प्रज्वलन तक सीमित न रहकर जनसेवा, सामाजिक दायित्व, आस्था और सामूहिक सहभागिता का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण अवसर बना।

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने की सहभागिता

भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के मुख्यसचिव श्री अशोक बर्णवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह, जनप्रतिनिधि श्रीमती प्रीति शुक्ला, नगर पालिका नर्मदापुरम अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव, जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष श्री भूपेंद्र चौकसे, मध्?यप्रदेश तैराकी संघ अध्?यक्ष श्री पीयूष शर्मा, संभागायुक्त श्री श्रीकांत बनोठ, सीसीएफ श्री अशोक कुमार, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, डीआईजी श्री संतोष सोलंकी, एसपी श्री साई कृष्ण एस थोटा, डीएफओ श्री गौरव शर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नर्मदापुरमवासी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने दीप प्रज्वलित कर सेवा से संकल्प अभियान के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मां नर्मदा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए जनसेवा और सामाजिक कल्याण के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

# रक्तदान है जीवन का सबसे बड़ा दान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश में 290 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शासकीय जयप्रकाश चिकित्सालय, भोपाल में आयोजित सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रक्तदान करने वाले प्रतिभागियों की कुशलक्षेम पूछी तथा प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रक्तदाताओं से भेंट कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के सम्मान में मध्यप्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 290 से अधिक स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए हैं। शिविरों में अब तक 6 हजार 744 यूनिट रक्तदान किया जा चुका है। इस संख्या में शाम तक लगातार बढोत्तरी होगी। रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होती है और अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर उनके स्वस्थ और शतायु जीवन की बाबा महाकाल से कामना करते हुए कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश के हर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय शासकीय जयप्रकाश चिकित्सालय में मीडिया से चर्चा में यह जानकारी दी। इस अवसर पर भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, मेडिकल विद्यार्थी उपस्थित थे।

## मध्यप्रदेश पुलिस की मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

### विगत 3 दिनों में लगभग 96 लाख रुपए से अधिक कीमत के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत तीन दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 96 लाख 41 हजार रुपये से अधिक कीमत का अवैध मादक पदार्थ, तस्करी में प्रयुक्त वाहन एवं अन्य सामग्री भी जब्त की है।

थाना भानपुरा की चौकी भैसोदामंडी पुलिस ने दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर 160 ग्राम एमडी, 6 किलो 800 ग्राम डोडाचूरा एवं मोटरसाइकिल सहित लगभग 16 लाख 83 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है। वहीं थाना शामगढ़ पुलिस ने बोलेरो पिकअप वाहन से 100 किलोग्राम डोडाचूरा सहित लगभग 10 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है। इसके अतिरिक्त थाना नई आबादी पुलिस ने एमडी ड्रग एवं डोडाचूरा जब्त कर लगभग 10 लाख 90 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार तीनों कार्यवाही में पुलिस ने लगभग 37 लाख 73 हजार रुपये से अधिक का मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है।

पुलिस ने थाना रतनगढ़ क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 1 क्विंटल 41 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा, जिसकी कीमत 21 लाख 27 हजार रुपये है, जब्त कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना खातेगांव क्षेत्र में ऑपरेशन प्रहार के तहत अनाज मंडी स्थित गोदाम पर दबिश देकर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 लाख 40 हजार रुपये कीमत की 24 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। थाना मृगवास क्षेत्र में राजस्थान की ओर से स्मैक की तस्करी कर रहे 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

## भोपाल में DPI दफ्तर के बाहर 28वें दिन भी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, खून से खत लिख PM मोदी और CM से मांगी इच्छामृत्यु

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन 28वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने अपने खून से पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी। पत्र में शिक्षक भर्ती में पद बढ़ाने की मांग और लंबे समय से चल रहे आंदोलन का उल्लेख किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय(डीपीआई)के सामने पिछले तीन दिन से प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों में राजगढ़ के ब्यावरा निवासी नरेंद्र राजपूत सात दिन से निर्जला अनशन पर हैं।अभ्यर्थियों का कहना है कि पानी नहीं पीने से उनकी तबीयत बिगड़ गई है और बुधवार रात वह कई बार बेहोश हुए।अभ्यर्थी नरेंद्र राजपूत ने कहा कि आश्वासन के बाद उन्होंने पहले भूख हड़ताल खत्म की थी, लेकिन मांग पूरी नहीं होने पर दोबारा अनशन शुरू करना पड़ा।इससे सीने में दर्द और रक्तचाप बढ़ने की शिकायत है।

## अब ग्रामीण नागरिकों को भी मिलेगा संपत्ति का सुदृढ दस्तावेजी अधिकार

### जिले की सेहतगंज ग्राम पंचायत से ''स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-226'' का शुभारंभ सांची विधायक डॉ चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीणा तथा संभागायुक्त श्री शर्मा शुभारंभ कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (ए.)। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत रायसेन जिले की ग्राम पंचायत सेहतगंज में सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग की सचिव और तथा अभियान की जिला प्रभार अधिकारी श्रीमती शिल्पा गुप्ता, भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा तथा कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की उपस्थिति में ''स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026'' का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक डॉ. चौधरी ने ग्रामीणों से कहा कि स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि में अधिकार अभिलेख तैयार किए गए हैं। आज से शुरू हुए अभियान में स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में लगभग 50 लाख निजी संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों का नि:शुल्क पंजीयन किया जाएगा।

पंजीयन के लिए नागरिकों से स्टाम्प ड्यूटी अथवा पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसकी संपूर्ण राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत हितग्राहियों की संपत्ति के आधार पर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराने के लिए निर्मित निजी अधिकार अभिलेखों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के बाद नागरिक गृह निर्माण, व्यवसाय, कृषि एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण प्राप्त कर सकेंगे।

इससे उनकी आजीविका एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी। स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार अधिकार अभिलेखों के नि:शुल्क पंजीयन का निर्णय लेने वाला मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है। राज्य सरकार की यह पहल ग्रामीण नागरिकों को संपत्ति का सुदृढ दस्तावेजी अधिकार देने के साथ वित्तीय समावेशन, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होगी। इसका लाभ आगामी वर्षों में लाखों हितग्राहियों को प्राप्त होगा। भोपाल संभागायुक्त श्री शर्मा ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान कहा कि रायसेन जिले में सेहतगंज से स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 का शुभारंभ हुआ है।

# जनता को त्वरित राहत और अधीनस्थों को बेहतर मार्गदर्शन देना प्रभावी पुलिस नेतृत्व की पहचान : डीजीपी कैलाश मकवाणा

## पुलिस महानिदेशक से हाल ही में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके सहायक पुलिस अधीक्षक (आईपीएस) अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (आरएनएस)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से हाल ही में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके 10 सहायक पुलिस अधीक्षक (आईपीएस) अधिकारियों ने आज पुलिस मुख्यालय भोपाल में सौजन्य भेंट की। इस दौरान डीजीपी मकवाणा ने अधिकारियों से पुलिस नेतृत्व, पर्यवेक्षण एवं मैदानी कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया तथा उन्हें पुलिस सेवा में प्रभावी नेतृत्व के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। डीजीपी श्री मकवाणा ने अधिकारियों से कहा कि एसडीओपी पहला पर्यवेक्षण अधिकारी होता है, इसलिए पुलिस व्यवस्था को प्रभावी बनाने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। जनता की शिकायत का समाधान पुलिसिंग की प्राथमिक जिम्मेदारियों में से एक है। पीड़ित की शिकायत को पहले चरण में ही समझकर उसके निराकरण का प्रयास किया जाए, ताकि उन्हें त्वरित राहत मिल सके। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि पुलिस नेतृत्व में ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ प्रभावी पर्यवेक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारी अपने अधीनस्थों के कार्यों की नियमित समीक्षा करें, उनकी समस्याओं को समझें और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि एक अच्छे अधिकारी की जिम्मेदारी केवल कार्यों की निगरानी तक सीमित नहीं होती, बल्कि अधीनस्थों का मार्गदर्शन करना और उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना भी नेतृत्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने थानों के निरीक्षण के संबंध में कहा कि निरीक्षण के दौरान पुलिस कार्यप्रणाली की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से निरुद्ध न रखा जाए तथा थानों में लगे सीसीटीवी कैमरे चालू एवं कार्यशील स्थिति में रहें, यह सुनिश्चित करना अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को थानों का नियमित एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए, ताकि मैदानी व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सके। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले नियमित निरीक्षणों का हिस्सा बनें और निरीक्षण के दौरान पुलिसिंग की बारीकियों को समझें। मैदानी अनुभव और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन से पुलिसिंग की व्यावहारिक समझ विकसित होती है, जिसका लाभ आगे की सेवा में मिलता है। उन्होंने तकनीक आधारित पुलिसिंग के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अपराधों एवं प्रकरणों के निराकरण में उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने NAFIS (National Automated Fingerprint Identification System) के माध्यम से उपलब्ध फिंगरप्रिंट संबंधी तकनीकी सहायता का उपयोग कर अपराधों एवं प्रकरणों के निराकरण को और प्रभावी बनाने की बात कही।

## भोपाल मंडल की ट्रेनों में बदलाव: 25 सितंबर तक ललितपुर में 5 मिनट रुकेगी अमृतसर-सीएसएमटी एक्सप्रेस

भोपाल (आरएनएस)। श्री आनंदपुर (ललितपुर) में आयोजित पवित्र शताब्दी समारोह को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल मंडल होकर चलने वाली अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर एक्सप्रेस के ललितपुर स्टेशन पर ठहराव का समय बढ़ाया गया है। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 11058/11057 का ललितपुर स्टेशन पर ठहराव 15 से 25 सितंबर 2026 तक अस्थायी रूप से बढ़ाया गया है। इस दौरान ट्रेन अब दो मिनट के बजाय पांच मिनट ललितपुर स्टेशन पर रुकेगी।रेलवे ने बताया कि श्री आनंदपुर में आयोजित शताब्दी समारोह के कारण इस अवधि में यात्री और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है।

इसे देखते हुए ट्रेन में चढ़ने और उतरने वाले यात्रियों को अतिरिक्त समय देने के लिए यह व्यवस्था की गई है। यात्रियों से अपील की गई है कि ट्रेन के ठहराव और समय-सारिणी की ताजा जानकारी रेलवे पूछताछ प्रणाली या एनटीईएस से प्राप्त करें।

## नमो युवा शक्ति कार्यक्रम में युवाओं और महिलाओं ने उत्साह से लिया हिस्सा

भोपाल (आरएनएस)। युवाओं में उत्साह, नेतृत्व क्षमता, खेल भावना एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को बरखेड़ी कला, भोपाल में जिला स्तरीय नमो युवा शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत भोपाल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वंदना शर्मा, जिला पंचायत भोपाल के उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सदस्य श्रीमती चन्द्रेश सिंह राजपूत, जनपद पंचायत फंदा के अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत, जिला परियोजना प्रबंधक मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन भोपाल डॉ. रेखा पाण्डेय सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

## आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से अधिकारी तक, सबकी सेवा संबंधी समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

### संभाग-जिला स्तर पर हर माह प्रथम एवं तृतीय बुधवार को होंगे शिविर

भोपाल (आरएनएस)। आयुक्त महिला एवं बाल विकास संदीप जी.आर.ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। उनके निर्देशानुसार अब संभाग एवं जिला स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक नियमित समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शिविरों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका से लेकर जिला स्तर के अधिकारी-कर्मचारी तक अपनी सेवा संबंधी समस्याएं और आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। नियुक्ति, समयमान वेतनमान, पदोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति, सेवानिवृत्ति उपरांत पेंशन तथा अन्य देय स्वत्वों से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई कर नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक प्राप्त प्रकरण का अभिलेख भी संधारित किया जाएगा, जिससे उसके निराकरण की नियमित निगरानी की जा सके। आयुक्त संदीप जी.आर. ने कर्मचारियों को उनके अधिकारों एवं देय स्वत्वों के लिए अनावश्यक कठिनाई से बचाने के साथ ही विभागीय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर जोर दिया है। इसी क्रम में कर्मचारियों के वेतन का भुगतान प्रत्येक माह की पहली तारीख को सुनिश्चित करने तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय के साथ विभागीय कर्मचारियों के चिकित्सा देयक, यात्रा भत्ता और अन्य स्वत्वों का समय पर भुगतान करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

# प्रतिभा को अवसर देना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री श्री परमार

## गौलाना में 'प्रतिभा मंदिर प्रकल्प' का शुभारंभ, 1,751 चयनित विद्यार्थियों का सम्मान; 9 केंद्रों पर होगी नि:शुल्क तैयारी

भोपाल (आरएनएस)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि गरीब और सामान्य परिवार के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों के बीच आर्थिक परिस्थितियां बाधा नहीं बनें, यही 'प्रतिभा मंदिर प्रकल्प' का मूल उद्देश्य है। सरकार का प्रयास है कि विद्यार्थियों को अपने ही जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध हो।

मंत्री श्री परमार गुरुवार को शाजापुर जिले के गौलाना स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर शासकीय सांदीपनि विद्यालय में 'प्रतिभा मंदिर प्रकल्प' के शुभारंभ एवं प्रतिभा खोज परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चयनित 1 हजार 751 विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

**गरीब पिता की पीड़ा से उपजा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का संकल्प**

मंत्री श्री परमार ने कहा कि अच्छे विद्यालयों में पढ़ने का अवसर हर बच्चे का अधिकार है। उन्होंने कहा कि एक गरीब पिता की उस पीड़ा ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया, जब उसकी बेटी ने शहर के बड़े और अच्छे विद्यालय को देखकर वहां पढ़ने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन आर्थिक स्थिति के कारण पिता अपनी बेटी का सपना पूरा नहीं कर सका। इसी पीड़ा को समझते हुए सरकार ने ऐसे विद्यालयों और शैक्षणिक व्यवस्थाओं के निर्माण पर जोर दिया, जहां गरीब परिवार के बच्चे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें।

श्री परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश में सीएम राइज एवं सांदीपनि विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना, सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो रही है।

**महंगी कोचिंग के आर्थिक बोझ से विद्यार्थियों को मिलेगी मुक्ति**

मंत्री श्री परमार ने कहा कि JEE और NEET जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनेक विद्यार्थी इंदौर, कोटा सहित बड़े शहरों का रुख करते हैं। महंगी कोचिंग और रहने-खाने का खर्च सामान्य एवं गरीब परिवारों के लिए बड़ी चुनौती होता है। कई परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए अपनी जमीन तक बेचने को मजबूर हो जाते हैं।

श्री परमार ने कहा कि 'प्रतिभा मंदिर' के माध्यम से इसी आर्थिक बोझ को कम करने का प्रयास किया गया है। अब विद्यार्थियों को अपने जिले में ही नि:शुल्क कोचिंग और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध होगा।

**6,600 से अधिक पंजीयन, 1,751 विद्यार्थियों का चयन**

मंत्री श्री परमार ने बताया कि प्रतिभा खोज परीक्षा के लिए 6,600 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। परीक्षा के परिणाम में 1,751 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इनमें 937 विद्यार्थी कक्षा 9 की आधारभूत तैयारी, 347 JEE तथा 467 NEET की तैयारी करेंगे। विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी को देखते हुए प्रतिभा मंदिर केंद्रों की संख्या 3 से बढ़ाकर 9 की गई है।

*मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इंदौर विमानतल पर पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया*

# 'सेवा-संकल्प अभियान'- ग्वालियरवासी मानवता की सेवा के लिये आगे आए, 535 यूनिट रक्तदान किया

## जनप्रतिनिधियों, शासकीय सेवकों और सेवाभावी नागरिकों ने रक्तदान कर

ग्वालियर (आरएनएस)। ग्वालियर जिले में 'सेवा-संकल्प अभियान' का शुभारंभ दिवस मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितम्बर को जिले में पाँच स्थानों पर विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में जनप्रतिनिधियों, सेवाभावी नागरिकों और शासकीय सेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प लिया। अभियान के पहले दिन जिले में लगभग 535 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। जिला चिकित्सालय मुरार में आयोजित रक्तदान शिविर में संभागीय आयुक्त मनोज खत्री और कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने रक्तदान किया। उन्होंने स्वयं रक्तदान कर समाज को मानवता की सेवा और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने का प्रेरक संदेश दिया। सिटी सेंटर निवासी

रविन्द्र यादव ने भी जिला चिकित्सालय में आयोजित शिविर में रक्तदान किया। उनके द्वारा किया गया यह 35वाँ रक्तदान था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर पीड़ित मानवता की सेवा के लिए रक्तदान करने का अवसर मिलना उनके लिए खुशी की बात है। 13वीं बटालियन में पदस्थ विशेष सशस्त्र बल के जवानों और सेवाभावी नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। बटालियन के जवान संतोष धाकड़, पुरुषोत्तम प्रजापति और दीपक नरवरिया ने सेवाभाव के साथ रक्तदान करते हुए नागरिकों से भी रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से हम किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में सहभागी बन सकते हैं।

**इन स्थानों पर लगे रक्तदान शिविर**

'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत 17 सितम्बर को जिला चिकित्सालय मुरार में आयोजित शिविर में लगभग 80 यूनिट रक्तदान हुआ। महावीर भवन कम्पू में आयोजित शिविर में लगभग 405 यूनिट, वृंदावन गार्डन पुरानी छावनी में 24 यूनिट, कैंसर हॉस्पिटल में 10 यूनिट तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डबरा में 17 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

मंत्री नारायण सिंह और सांसद श्री कुशवाह ने रक्तदाताओं का बढ़ाया उत्साह

सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सांसद भारत सिंह कुशवाह, नगर निगम सभापति मनोज तोमर और भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधिगण 'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत महावीर भवन कम्पू में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुँचे।

# कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रक्तदान कर दिया मानवता की सेवा का प्रेरक संदेश

ग्वालियर (आरएनएस)। सेवा-संकल्प अभियान के तहत जिला चिकित्सालय मुरार में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने स्वयं रक्तदान कर मानवता की सेवा का प्रेरक संदेश दिया। उनका यह कदम केवल रक्तदान तक सीमित नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है जो किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने में अपना योगदान दे सकता है। कलेक्टर ने शासकीय सेवकों से भी आगे बढ़कर रक्तदान करने और इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया। आपका रक्तदान किसी के जीवन में नई उम्मीद बन सकता है। आइए, सेवा को संकल्प बनाएं और मानवता के लिए रक्तदान करें।

## जिला अस्पताल में 'रक्तदान शिविर का आयोजन

राजगढ, (ए)। मध्य प्रदेश के राजगढ जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुवार को जिला अस्पताल राजगढ में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।शिविर में सांसद रोडमल नागर, विधायक अमरसिंह यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्ञानसिंह गुर्जर, पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा व प्रताप मंडलोई, कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा और पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने रक्तदान किया। इस दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। रक्तदान के दौरान लोगों ने कहा कि रक्त की एक बूंद किसी जरूरतमंद के जीवन में उम्मीद बन सकती है। नागरिकों से भी रक्तदान शिविरों में बड-चडकर सहभागिता करने का आह्वान किया गया।

# भस्म आरती में राजा स्वरुप में सजे बाबा महाकाल, भांग-ड्रायफ्रूट और आभूषणों से हुआ दिव्य श्रृंगार

उज्जैन(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में गुरुवार तड़के भाद्रपद शुक्ल षष्ठी पर बाबा महाकाल की भस्म आरती विधि-विधान और विशेष श्रृंगार के साथ संपन्न हुई। सुबह करीब 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित देवी-देवताओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर पंचामृत से अभिषेक-पूजन किया गया।भस्म आरती की शुरुआत में प्रथम घंटाल बजाकर भगवान महाकाल को हरिओम का जल अर्पित किया गया। मंत्रोच्चार के बीच पूजन के बाद कपूर आरती हुई। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर भस्म अर्पित की गई। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई।भस्म अर्पण के बाद बाबा महाकाल का विशेष राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। भगवान के मस्तक पर रजत चंद्र, त्रिपुंड और रजत मुकुट सुशोभित किया गया। भांग, चंदन, ड्रायफ्रूट, आभूषण और सुगंधित पुष्पों से भगवान का आकर्षक श्रृंगार किया गया। श्रृंगार में शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुण्डमाला, रुद्राक्ष की माला और विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों की मालाएं अर्पित की गईं। श्रृंगार पूर्ण होने के बाद भगवान महाकाल को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया।भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तों ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। आरती के दौरान श्रद्धालु लगातार बाबा महाकाल के जयकारे लगाते रहे, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने नंदी महाराज के दर्शन भी किए और उनके कान के समीप अपनी मनोकामना कहकर आशीर्वाद मांगा।धार्मिक मान्यता के अनुसार, भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। इसी परंपरा के तहत भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया।

# व्यापार समाचार

## सरकार ने पेट्रोल-डीजल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की, क्या आपको होगा फायदा?

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले टैक्स को कम किया गया है। डीजल निर्यात शुल्क में 5 रुपये की कटौती की गई है। अब डीजल पर विंडफाल टैक्स 25 से घटकर 20 रुपये प्रति लीटर हो गया है। हालांकि, घरेलू इस्तेमाल के लिए पेट्रोल-डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, पेट्रोल के एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स 0.5 प्रति लीटर, डीजल पर 20 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 15 रुपये प्रति लीटर होगी। यह अगले 15 दिन तक जारी रहेगी।

पहले एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स 19 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल पर 1.5 रुपये प्रति लीटर था।

बता दें सरकार हर 2 हफ्ते में घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स की समीक्षा करती है।

यह कटौती घरेलू स्तर पर बिकने वाले पेट्रोल-डीजल के टैक्स पर नहीं की गई है., बल्कि विंडफॉल टैक्स पर की गई है।

विंडफॉल टैक्स वह शुल्क है, जो कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन बेचकर मुनाफा कमाने पर सरकार को चुकाती है।

इससे देश के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

## भारत दिखा सकता है कि एआई का इस्तेमाल सामाजिक और विकासात्मक लाभ के लिए किस प्रकार किया जा सकता है : बिल गेट्स

नईदिल्ली (आरएनएस)। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पहले आई तकनीकी क्रांतियों से मौलिक रूप से अलग है और चेतावनी दी है कि समाज शायद अभी तक इसके आने वाले बड़े और तेज बदलावों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है।उन्होंने एआई की असाधारण क्षमता पर जोर देते हुए भारत को एक महत्वपूर्ण उदाहरण बताया कि किस तरह इस तकनीक का इस्तेमाल सामाजिक और विकासात्मक लाभ के लिए तेजी से किया जा सकता है। बिल गेट्स ने कहा, "यह क्षमताओं का एक अद्भुत समूह है।" उन्होंने कहा कि भारत यह दिखा सकता है कि एआई के सकारात्मक उपयोगों को अधिकतम गति से कैसे आगे बढ़ाया जाए।

एनडीटीवी के साथ बातचीत में अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने कहा कि यदि एआई के विकास की रफ्तार को थोड़ा धीमा करने से समाज को इसके प्रभावों के लिए तैयार होने का अधिक समय मिलता है, तो इस पर विचार किया जाना चाहिए। गेट्स ने कहा कि एआई, पर्सनल

कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी पिछली तकनीकी क्रांतियों से अलग है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह मान लेना सही नहीं होगा कि एआई के प्रभावों को संभालना भी उतना ही आसान होगा जितना अन्य तकनीकों के मामले में रहा है। उन्होंने कहा, "एआई एक बहुत ही अनोखी तकनीक है। मैं उन लोगों को सावधान करना चाहता हूं जो सोचते हैं कि एआई के प्रभावों को संभालना उतना ही आसान होगा जितना अन्य तकनीकों के प्रभावों को संभालना रहा है।"

गेट्स ने कहा कि एआई के विकास की व्यापकता और गति इतनी अधिक है कि नवाचार के लंबे समय से समर्थक रहने के बावजूद उन्हें भी यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा है कि क्या इसकी रफ्तार पर सवाल उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "यदि हम इसकी गति को थोड़ा धीमा कर सकते हैं, तो हमें इस पर विचार करना चाहिए, क्योंकि इतने बड़े और तेज बदलाव के लिए तैयार होना जरूरी है।" बिल गेट्स ने आगे कहा कि अपने पूरे जीवन में उन्होंने नवाचार का समर्थन किया है, चाहे वह माइक्रोसॉफ्ट के साथ उनका काम हो या गेट्स फाउंडेशन के माध्यम से किए गए प्रयास। लेकिन एआई ऐसा दुर्लभ मामला है जहां नवाचार का प्रभाव इतना व्यापक और नाटकीय हो सकता है कि दुनिया शायद उसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं है।उन्होंने साइबर सुरक्षा को एआई से जुड़े सबसे तात्कालिक जोखिमों में से एक बताया। गेट्स ने चेतावनी दी कि एआई-आधारित उपकरण साइबर हमलावरों की क्षमताओं को काफी मजबूत बना सकते हैं।

## शेयर बाजार में मामूली बढ़त, सेंसेक्स 86 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी तेजी

मुंबई,(आरएनएस)।यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने के बाद, आज गुरुवार 17 सितंबर 2026 को भारतीय शेयर बाजार सपाट खुले. शुरुआती सत्र में निफ्टी 23,200 के ऊपर बना हुआ था, जबकि सेंसेक्स में करीब 80 अंकों की बढ़त देखी गई.

शुरुआती कारोबार के दौरान विदेशी फंड की निकासी और एशियाई बाजारों में सुस्त रुझान ने घरेलू इक्विटी में बढ़त को सीमित रखा. शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 86.49 अंक बढ़कर 74,422.94 पर पहुंच गया. 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50.1 अंक बढ़कर 23,267.70 पर रहा.

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, एटरनल, बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व और इंटरग्लोब एविएशन फायदे में रहीं. एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस और टेक महिंद्रा पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल रहीं.

## क्रेडिट कार्ड ईएमआई या पर्सनल लोन, बड़ी खरीदारी के लिए कौन सा विकल्प सही?

नईदिल्ली (आरएनएस)। बड़ी खरीदारी के लिए लोग अक्सर क्रेडिट कार्ड ईएमआई और पर्सनल लोन में से किसी एक विकल्प को चुनते हैं। क्रेडिट कार्ड की योग्य खरीदारी को किश्तों में बदलने के लिए अलग से लोन आवेदन नहीं करना पड़ता। वहीं, पर्सनल लोन में रकम सीधे खाते में मिल सकती है और उसे अलग-अलग खर्चों में इस्तेमाल किया जा सकता है। इन दोनों विकल्पों की ब्याज दर, शुल्क, अवधि और कुल भुगतान अलग हो सकता है।

टेलीविजन, लैपटॉप, मोबाइल, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसी छोटी या मध्यम खरीदारी के लिए क्रेडिट कार्ड ईएमआई सुविधाजनक हो सकती है। बैंक और दुकानदार कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प देते हैं। हालांकि, इसे चुनने से पहले प्रोसेसिंग फीस, जीएसटी और छूट की शर्तें जरूर देखें। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई लेने पर तुरंत मिलने वाला डिस्काउंट नहीं मिलता है। ऐसे में केवल आसान किश्त देखकर फैसला करना सही नहीं होगा। अगर खर्च बड़ा है या खरीदारी क्रेडिट कार्ड से नहीं की जा सकती, तो पर्सनल लोन पर विचार किया जा सकता है।

इसकी ब्याज दर आपकी आय, क्रेडिट इतिहास और पुराने कर्ज पर निर्भर करती है। लंबी अवधि चुनने से मासिक ईएमआई कम हो सकती है, लेकिन कुल ब्याज बढ़ सकता है। आवेदन से पहले प्रोसेसिंग फीस, ब्याज, भुगतान अवधि और प्रीपेमेंट शुल्क जोड़कर पूरी लागत समझना जरूरी है।

किसी विकल्प को चुनते समय सिर्फ मासिक ईएमआई की तुलना नहीं करनी चाहिए। कम ईएमआई के साथ लंबी अवधि होने पर भुगतान ज्यादा हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड की बड़ी खरीदारी से उपलब्ध लिमिट भी कम हो सकती है और क्रेडिट प्रोफाइल पर असर पड़ सकता है। अगर पूरा कार्ड बिल चुकाने में परेशानी है, तो दोनों विकल्पों की कुल लागत जांचें।

## कोयला मंत्रालय ने की वाणिज्यिक नीलामी के 16वें दौर की शुरुआत, 25 खदानों की होगी बिक्री

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कोयला मंत्रालय ने नई दिल्ली में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 16वें दौर की शुरुआत गुरुवार को किया, जिसमें बिक्री के लिए कुल 25 कोयला खदानों (ब्लॉकों) की पेशकश की गई है। साथ ही हितधारकों को बोली में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने 16वें दौर की इस नीलामी की शुरुआत करते हुए कहा, ''हम निवेशकों से इस दौर में हिस्सा लेने का आह्वान करते हैं। उन्होंने नीलामी के इस नए दौर में रोजगार के बड़े अवसर सृजित करने और क्षेत्र में नए निवेश को आकर्षित करने की क्षमता है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2020 में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी शुरू की थी।

कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 16वें दौर की शुरुआत की गई, जिसमें हितधारकों को बोली में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। ये सभी कोयला खदानें ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना और अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं। मंत्रालय के अनुसार इस दौर में विभिन्न राज्यों में स्थित 25 कोयला खदानें बिक्री के लिए पेश की हैं। इनमें से 21 खदानें पूरी तरह से खोजी गई हैं, जबकि 4 कोयला की खदानें आंशिक रूप से खोजी गई हैं।कोयला मंत्रालय ने कहा कि पिछले छह वर्षों में कुल 15 कोयला खदानों की नीलामी की प्रक्रियाएं पूरी हुई हैं।

## एनएसई के आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला फीका रिस्पॉन्स, पहले दिन सिर्फ 43 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ पब्लिक इश्यू

नई दिल्ली, (आरएनएस)। लंबे इंतजार और तमाम चर्चाओं के बाद आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च तो हो गया, लेकिन पहले दिन इसे निवेशकों की ओर से काफी ठंडे रिस्पॉन्स का सामना करना पड़ा। पहले दिन ये आईपीओ ओवरऑल 50 प्रतिशत भी सब्सक्राइब नहीं हो सका। किसी भी कैटेगरी में ये आईपीओ फुली सब्सक्राइब नहीं हो सका। और तो और एंप्लॉयीज कैटेगरी में भी एनएसई का आईपीओ 96 प्रतिशत ही सब्सक्राइब हो सका। आज पूरे दिन का समय बीतने के बाद इस आईपीओ को ओवरऑल 43 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन ही मिल सका था।

माना जा रहा है कि ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को लेकर बने निगेटिव सेंटिमेंट्स की वजह से निवेशक इस आईपीओ में बोली लगाने से हिचक रहे हैं। ग्रे मार्केट में एनएसई के शेयर की मांग लगातार कमजोर होती गई है। पांच सितंबर को ग्रे मार्केट में इस शेयर के लिए 310 रुपये यानी 17.37 प्रतिशत प्रीमियम मिल रहा था, लेकिन उसके बाद से इस शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम लगातार गिरता चला गया।आज लॉन्चिंग के दिन दोपहर 12 बजे ग्रे मार्केट में ये शेयर सिर्फ 137 रुपये यानी 7.68 प्रतिशत प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। हालांकि, बाद में इसकी स्थिति में मामूली सुधार हुआ। आज का दिन खत्म होने तक इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम थोड़ा बढ़ कर 148 रुपये यानी 8.29 प्रतिशत हो गया था। इसके बावजूद ये अभी भी ग्रे मार्केट के मानक दस प्रतिशत के स्तर से नीचे है।ग्रे मार्केट में एनएसई के शेयर की चाल देखें, तो चार सितंबर एनएसई के शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम 285 रुपये था, जो इसके इश्यू प्राइस का 15.97 प्रतिशत था। इसके अगले दिन एनएसई के शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) बढ़ कर 310 रुपये हो गया। मतबल पांच सितंबर को एनएसई के शेयर का जीएमपी 17.37 प्रतिशत हो गया। यहां तक तो सब कुछ ठीक था, लेकिन इसके बाद इस शेयर का जीएमपी लगातार गिरता चला गया।अगले चार दिन में यानी 9 सितंबर तक एनएसई के शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम गिर कर 222 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इतनी गिरावट के बाद भी जीएमपी 12.44 प्रतिशत के स्तर पर था। इसके बाद 10 सितंबर को जब एनएसई के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान हुआ, उस दिन ग्रे मार्केट में इस शेयर का प्रीमियम घट कर 192 रुपये यानी 10.76 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। एनएसई के शेयर की जीएमपी का गिरना आगे भी जारी रहा। मंगलवार यानी 15 सितंबर को इस शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम गिर कर 160 रुपये यानी 8.96 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह 16 सितंबर को रात आठ बजे चक इस शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम 145 रुपये यानी 8.12 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया।

## श्री राम गंभीर कस्तूरी लाल अब्बी ग्रुप आफ कॉलेजेज की जांच के आदेश

बिजनौर, (ए.)। श्रीराम गंभीर कस्तूरी लाल अब्बी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, ग्राम बल्दिया, बिजनौर को लेकर की गई शिकायत के आधार पर मंडलायुक्त मुरादाबाद मंडल ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी बिजनौर को दिए हैं। यह प्रकरण कॉलेज प्रबंधन द्वारा छात्रों से प्राप्त धनराशि के कथित दुरुपयोग और महाविद्यालय संचालन से संबंधित अनियमितताओं के आरोपों से जुड़ा है।शिकायतकर्ता प्रवीण गम्भीर ने दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कॉलेज समिति के नाम से महाविद्यालय खोला गया था, जबकि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद समिति के संचालन एवं खातों को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। आरोप है कि छात्रों से विभिन्न मदों में प्राप्त करीब एक करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि महाविद्यालय के खाते में जमा कराने के बजाय निजी इस्तेमाल में लिए जाने तथा फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाने की शिकायत की गई है।मामले में उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका संख्या 2444/2020 में पारित आदेशों तथा महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के 24 जनवरी 2025 के आदेश का भी हवाला दिया गया है।

# सम्पादकीय

**अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य**

## दमन के तरीके का उलटा परिणाम

सत्ता के ऊपरी हलकों तक शायद यह संदेश पहुंचा है कि दमन के तरीके का उलटा परिणाम हो सकता है। इसलिए अब युवाओं के प्रति संवेदनशील होने का संकेत दिया जा रहा है। यह स्वागतयोग्य है।

कॉकरोच आंदोलन के तहत युवाओं की लामबंदी का सत्ता प्रतिष्ठान पर कितना प्रभाव हुआ है, इसकी झलक सोमवार को सामने आई। 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल नौजवानों पर हुए मुकदमों को वापस लेने के मामले में केंद्र पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कॉकरोच जनता पार्टी ने पांच सितंबर को दिल्ली में फिर मार्च आयोजित करने का एलान किया है। दिल्ली पुलिस ने संकेत दिया था कि ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन की जारी तैयारियों के कारण इस कार्यक्रम को इजाजत देना कठिन होगा। यही दलील देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई कि शिखर सम्मेलन से एक हफ्ता पहले इस आंदोलन से कानून- व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है, अतः इस पर रोक लगाई जाए।

मगर चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने अर्जी ठुकरा दी। कहा कि फिलहाल ऐसा मानने का कोई ठोस आधार नहीं है कि युवाओं के मार्च से कानून- व्यवस्था की स्थिति बिगड़ेगी। कोर्ट ने कहा कि कानून- व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और कोर्ट भरोसा है कि सरकार कानून के दायरे में रहकर यह काम करेगी। हाल-फिलहाल में जनतांत्रिक अधिकारों के पक्ष में कोर्ट का ऐसा दो-टूक रुख कभी-कभार ही देखने को मिला है। बहरहाल, कोर्ट का यह रुख सामने आने के बाद जो हुआ, वह और भी महत्त्वपूर्ण है। दिल्ली पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका देकर गुजारिश की कि वह अनुच्छेद 142 के तहत संविधान से मिले विशेष अधिकार का इस्तेमाल कर कॉकरोच आंदोलन के दौरान दर्ज सभी प्राथमिकियों को रद्द कर दे। कोर्ट ने इस याचिका पर सकारात्मक रुख दिखाया। यह घटनाक्रम युवाओं की उभरी शक्ति की मिसाल है। गुजरे महीनों में जिस पैमाने पर छात्र- युवा असंतोष सड़कों पर दिखा है, उसने यह भ्रम तोड़ दिया है कि सरकारी मशीनरी के अत्यधिक उपयोग से असहमति और प्रतिरोध को हमेशा के लिए दबाए रखा जा सकता है। सत्ता के ऊपरी हलकों तक संभवतः यह संदेश पहुंचा है कि दमन के तरीके का संभवतः उलटा परिणाम होगा। इसलिए अब युवाओं के प्रति संवेदनशील होने का संकेत दिया जा रहा है। यह स्वागतयोग्य है।

# आधुनिक शिक्षा बनाम अंधविश्वास । कब दूर होंगे रूढ़िवादी मिथक ?

संजीव ठाकुर,

अशिक्षा और अज्ञानता ने समाज में अंधविश्वास, रूढ़िवाद और धार्मिक कट्टरता को पनपने के लिए लंबे समय तक अनुकूल जमीन उपलब्ध कराई है। किसी अशिक्षित व्यक्ति का परंपरागत मान्यताओं और अंधविश्वासों पर विश्वास करना सामाजिक परिस्थितियों की उपज माना जा सकता है, लेकिन चिंता तब अधिक गंभीर हो जाती है जब आधुनिक शिक्षा प्राप्त, उच्च पदों पर बैठे और विज्ञान तथा तकनीक का लाभ उठाने वाले लोग भी तर्कहीन मान्यताओं के पीछे चलते दिखाई देते हैं। प्रश्न यह नहीं है कि मनुष्य की आस्था क्या है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या उसकी आस्था विवेक, मानवीय संवेदना और तर्क की कसौटी पर खरी उतरती है? धार्मिक आस्था व्यक्ति का निजी विषय हो सकती है, किंतु अंधविश्वास तब सामाजिक समस्या बन जाता है जब वह भय, शोषण, हिंसा और विवेकहीनता को जन्म देने लगे।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना या रोजगार हासिल करना नहीं है। शिक्षा मनुष्य को प्रश्न पूछना, प्रमाण तलाशना, तर्क करना और सही-गलत के बीच विवेकपूर्ण अंतर करना सिखाती है। विज्ञान इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। मनुष्य ने जब प्रकृति और ब्रह्मांड को समझने का प्रयास किया तो अनेक ऐसी धारणाएं बदलीं जिन्हें कभी अंतिम सत्य माना जाता था। कभी पृथ्वी के स्वरूप और ब्रह्मांड को लेकर अनेक धारणाएं प्रचलित थीं, लेकिन वैज्ञानिक निरीक्षण, प्रयोग और अनुसंधान ने हमारे ज्ञान का विस्तार किया। आज वही मनुष्य अंतरिक्ष तक पहुंच चुका है, चंद्रमा पर अपने अभियान भेज चुका है और दूरस्थ ग्रहों तथा आकाशगंगाओं का अध्ययन कर रहा है। यह परिवर्तन अंधविश्वास से नहीं, प्रश्न पूछने और प्रमाण खोजने की वैज्ञानिक प्रवृत्ति से संभव हुआ है।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी वैज्ञानिक सोच, तर्क और स्वतंत्र चिंतन का महत्व अनेक विचारकों ने रेखांकित किया था। शहीद भगत सिंह ने युवाओं से रूढ़ियों और धार्मिक अंधविश्वासों से ऊपर उठकर स्वतंत्र चिंतन अपनाने का आह्वान किया था। उनके विचारों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्कशीलता सामाजिक प्रगति के महत्वपूर्ण आधार थे। उनका मानना था कि समाज की प्रगति के लिए युवाओं को पुरानी रूढ़ियों पर प्रश्न उठाने और नई सोच के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। आज जब भारत की विशाल युवा आबादी देश की सामाजिक और आर्थिक दिशा को प्रभावित कर सकती है, तब युवाशक्ति को वैज्ञानिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों और मानवीय दृष्टिकोण से जोड़ना और भी आवश्यक हो जाता है।

विडंबना यह है कि आज एक हाथ में अत्याधुनिक स्मार्टफोन और दूसरे हाथ में अंधविश्वास की गठरी दिखाई देती है। हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल भुगतान, रोबोटिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी की दुनिया में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन उसी समाज में

बिल्ली के रास्ता काटने को अशुभ मानकर काम रोक दिया जाता है, किसी की छींक को अनिष्ट का संकेत समझ लिया जाता है और कौए के बोलने को मेहमान के आने से जोड़ दिया जाता है। ऐसी मान्यताएं सांस्कृतिक लोकविश्वास के रूप में मौजूद हो सकती हैं, लेकिन जब इन्हें वैज्ञानिक सत्य के रूप में प्रस्तुत किया जाता है तब समस्या पैदा होती है। किसी घटना का संयोग से किसी दूसरी घटना के साथ घटित होना उसे कारण-संबंध सिद्ध नहीं करता।

अंधविश्वास की सबसे बड़ी ताकत भय है। जब मनुष्य किसी अनजानी बीमारी, आर्थिक संकट, पारिवारिक समस्या, संतान संबंधी चिंता या भविष्य की अनिश्चितता से परेशान होता है, तब वह किसी ऐसे व्यक्ति के प्रभाव में जल्दी आ सकता है जो उसे सरल समाधान का भरोसा देता है। इसी कमजोरी का लाभ कुछ कथित तांत्रिक, झाड़-फूंक करने वाले और भविष्य बताने का दावा करने वाले लोग उठाते हैं। राहु-केतु, ग्रहदोष, कालसर्प दोष, भूत-प्रेत या तंत्र-मंत्र के नाम पर लोगों से बड़ी रकम वसूलने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब बीमारी का वैज्ञानिक उपचार कराने के बजाय किसी व्यक्ति को झाड़-फूंक या तंत्र-मंत्र के हवाले कर दिया जाता है।अंधविश्वास का सबसे भयावह रूप तब सामने आता है जब वह हिंसा का कारण बनता है। पशुओं की बलि, डायन या जादू-टोने के नाम पर महिलाओं के साथ हिंसा, बच्चों को तंत्र-मंत्र के नाम पर प्रताड़ित करना और कभी-कभी मानव बलि जैसी अमानवीय घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं हैं; वे सामाजिक चेतना की गंभीर कमी का संकेत हैं। किसी भी धार्मिक या सांस्कृतिक परंपरा का मूल्यांकन उसके मानवीय परिणामों की कसौटी पर भी होना चाहिए।विश्वास जो मनुष्य के भीतर करुणा, सत्य, सेवा और सद्भाव पैदा करे, वह समाज को जोड़ता है; लेकिन जो भय, घृणा, हिंसा या शोषण पैदा करे, उस पर प्रश्न उठाना आवश्यक है।

यह मान लेना भी उचित नहीं होगा कि अंधविश्वास केवल अशिक्षित या ग्रामीण समाज तक सीमित है। दुनिया के अनेक विकसित और उच्च शिक्षित समाजों में भी ज्योतिष, भविष्यवाणी और विभिन्न प्रकार के अंधविश्वासों के उदाहरण मिलते हैं। अंतर यह है कि वैज्ञानिक संस्थाओं, कानून, शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक विमर्श की मजबूती यह तय करती है कि ऐसी मान्यताओं का सामाजिक प्रभाव कितना व्यापक होगा। इसलिए केवल साक्षरता बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो बच्चों को तथ्यों की जांच करना, प्रमाण और अफवाह में अंतर करना तथा किसी दावे पर विश्वास करने से पहले प्रश्न पूछना सिखाए।

आज सोशल मीडिया ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। एक झूठा वीडियो, मनगढ़ंत कहानी या चमत्कार का दावा कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। डिजिटल युग में मीडिया साक्षरता और वैज्ञानिक साक्षरता इसलिए शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बननी चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर बात सत्य नहीं होती। किसी तस्वीर, वीडियो, संदेश या दावे को साझा करने से पहले उसके स्रोत और प्रमाण की जांच करना भी आधुनिक शिक्षा का हिस्सा है।

मीडिया की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण है। समाचार माध्यमों और टेलीविजन चैनलों को केवल दर्शक और पाठक संख्या के आधार पर ऐसे दावों को बढ़ावा देने से बचना चाहिए जिनका कोई प्रमाणित आधार नहीं है। विज्ञापन और संपादकीय सामग्री के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए। समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने वाले कार्यक्रम, विज्ञान संचार, तथ्य-जांच और विशेषज्ञों की राय को अधिक स्थान मिलना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी नागरिकों को अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं से बचने के लिए डिजिटल विवेक विकसित करना होगा।

अंधविश्वास समाप्त करने का अर्थ आस्था समाप्त करना नहीं है। यह अंतर समझना अत्यंत आवश्यक है। आस्था व्यक्ति की आध्यात्मिक अनुभूति और निजी विश्वास का विषय हो सकती है, जबकि वैज्ञानिक दावा प्रमाण और परीक्षण की मांग करता है। लोकतांत्रिक समाज में हर व्यक्ति को अपनी आस्था रखने का अधिकार है, लेकिन किसी वैज्ञानिक तथ्य का स्थान केवल इसलिए नहीं बदला जा सकता कि कोई मान्यता बहुत पुरानी है। परंपरा सम्मान योग्य हो सकती है, परंतु हर परंपरा को सत्य का अंतिम प्रमाण मान लेना तर्कसंगत नहीं है।

भारत की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था में यदि आरंभ से ही बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पर्यावरण चेतना, संविधान के मूल्यों, मानवाधिकार और तर्कशील चिंतन से जोड़ा जाए तो आने वाली पीढ़ी अंधविश्वास के प्रति अधिक सजग हो सकती है।

## पीएम विश्वकर्मा: पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को मजबूत करना

पीएम विश्वकर्मा योजना अपने शुभारंभ के लगभग तीन वर्ष पूर्ण करने जा रही है और अब तक 30 लाख लाभार्थियों के पंजीकरण का लक्ष्य हासिल कर चुकी है। योजना के अंतर्गत कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल प्रशिक्षण, टूलकिट, ऋण सहायता, डिजिटल प्रोत्साहन और बाजार तक पहुंच जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। लाभार्थियों को उद्यम असिस्ट, जीईएम, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों से जोड़कर उनके उत्पादों के लिए नए बाजार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि के मूल मंत्र पर आधारित यह योजना गुरु-शिष्य परंपरा और पारंपरिक कौशल को मजबूत करते हुए कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

**पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों का समर्थन करना**

भारत के पारंपरिक कारीगर और शिल्पकार हमारी स्थानीय अर्थव्यवस्था और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनका काम पारंपरिक कौशल, परिवार से मिले ज्ञान और छोटे स्तर के उद्यमों पर आधारित है। इन्हें शुरू से अंत तक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 17 सितंबर 2023 को पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की गई।

पीएम विश्वकर्मा योजना तीन प्रमुख स्तंभों—सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि—पर आधारित है। इसका उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सम्मान, कौशल और आर्थिक अवसर प्रदान करना है। साथ ही, यह गुरु-शिष्य परंपरा और परिवार-आधारित पारंपरिक कौशल को संरक्षित एवं मजबूत करने का प्रयास करती है।

वित्त वर्ष 2023-24 से 2027-28 तक के लिए इस केंद्रीय क्षेत्र की योजना का कुल परिव्यय 13,000 करोड़ रुपये है। इसके तहत 18 पारंपरिक ट्रेडों को शामिल किया गया है। योजना का लक्ष्य कारीगरों के उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता एवं बाजार पहुंच बढ़ाने के साथ उन्हें घरेलू और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ना है।

# मरीज ग्राहक नहीं, कैदी है – अस्पताल में विकल्पहीनता का सच

**[ आयुष्मान के बावजूद टूटती कमर—मध्यमवर्ग की चुपचाप कटती जेब ]**

**[ बीमारी शरीर की, सजा जेब की—मेडिकल आइटम्स पर छिपा हुआ लूटतंत्र ]**

**प्रो. आरके जैन अरिजीत**

अस्पताल के दरवाजे तक आदमी बीमारी लेकर पहुंचता है, लेकिन लौटते समय अक्सर भारी बिल का बोझ साथ होता है। हैरानी यह कि इलाज का सबसे महंगा हिस्सा हमेशा दवा या ऑपरेशन नहीं होता; कई बार कुछ रुपये की मामूली प्लास्टिक ट्यूब ही जेब पर सबसे बड़ा वार कर जाती है। महाराष्ट्र एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंडे की सर्वे रिपोर्ट ने मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों पर भारी मार्कअप की यही चुभती हकीकत सामने रखी है। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये (2,841 प्रतिशत मार्कअप), 6.75 रुपये की सिरिंज 57.20 रुपये और 29.41 रुपये का कैथेटर 310 रुपये में मरीज तक पहुंच सकता है। यानी बीमारी का इलाज विज्ञान करता है, लेकिन बिल का हिसाब ऐसा है कि मरीज को हर कदम पर अपनी जेब का इलाज करना पड़ता है। 2,841 प्रतिशत का मार्कअप यानी खरीद कीमत का लगभग 29 गुना—मामूली आंकड़ा नहीं। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में मरीज के बिल तक पहुंच सकता है, तो सवाल है कि कीमत इतनी क्यों बढ़ी? अस्पताल के अपने खर्च हैं—स्टाफ, मशीनें, बिजली-पानी और दूसरी व्यवस्थाएं। यह उचित है। लेकिन अस्पताल कोई धर्मशाला नहीं, तो मरीज भी बीमारी के नाम पर पैसा उगलने वाला एटीएम नहीं। दस-बीस प्रतिशत के सामान्य व्यापारिक मार्जिन और हजारों प्रतिशत के अंतर को एक तराजू में नहीं तौला जा सकता। 11.05 रुपये की वस्तु 325 रुपये में पहुंचे, तो सवाल सिर्फ मुनाफे का नहीं, पारदर्शिता का है। इलाज में कीमत का सच छिपेगा, तो भरोसा भी धीरे-धीरे भय में बदल जाएगा। बाजार में ग्राहक के पास मोलभाव और विकल्प होते हैं; अस्पताल के बिस्तर पर पड़ा मरीज इनसे लगभग वंचित होता है। दुकान पर महंगी चीज छोड़कर दूसरी दुकान जा सकते हैं, लेकिन अस्पताल में बीमारी की तात्कालिकता, डॉक्टर की सलाह और परिवार की चिंता विकल्प सीमित कर देती है। वह चाहकर भी नहीं कह सकता—सिरिंज महंगी है, दूसरी जगह से ले आता हूं। उस क्षण वह ग्राहक नहीं, अपनी मजबूरी के हवाले मरीज होता है। इसलिए मेडिकल आइटम की मनमानी कीमत केवल पैसे नहीं, अधिकार का सवाल है। मरीज को पता होना चाहिए कि वस्तु कितने में खरीदी गई, उसकी निर्धारित कीमत क्या है और उससे कितनी रकम ली जा रही है। इलाज में पारदर्शिता सुविधा नहीं, मरीज का अधिकार है।मरीज के हाथ में पहुंचा बिल कहानी का आखिरी पन्ना है; कीमत का खेल उससे बहुत पहले शुरू होता है। तुकाराम मुंडे की रिपोर्ट इसी परत को खोलती है। निर्माता से वितरक और आपूर्ति श्रृंखला के अलग-अलग पड़ावों तक कीमत बढ़ती है। मुंडे के अनुसार, एमआरपी अक्सर अस्पताल पहुंचने से पहले ही तय हो चुका होता है, जिसका अंतिम बोझ मरीज के बिल पर पड़ता है। दवाओं की कीमतों पर नियमन है, लेकिन अधिकांश मेडिकल उपभोग्य सामग्रियां लंबे समय तक ऐसी कठोर निगरानी से बाहर रहीं। नतीजा यह कि इलाज की जरूरी मामूली वस्तु भी कीमतों की ऐसी भूलभुलैया में पहुंच गई, जिसका रास्ता मरीज को दिखाई नहीं देता। अब उद्योग संगठन भी उचित मूल्य और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। यानी सवाल किसी एक अस्पताल का नहीं, पूरी व्यवस्था की जवाबदेही का है।

बीमारी घर में आती है तो सबसे पहले बजट टूटता है। मध्यमवर्ग सबसे अधिक पिसता है—न पूरी सरकारी मदद मिलती है, न निजी इलाज का भारी खर्च आसानी से उठता है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने इलाज की पहुंच बढ़ाई है, फिर भी निजी अस्पतालों में मेडिकल उपभोग्य सामग्रियों का खर्च बड़ा सवाल है। कई बार दवाओं से ज्यादा बिल उन छोटी चीजों का बनता है, जिन्हें मरीज बाजार में सस्ता समझता है। फिर परिवार सोचता है—कहां से उधार लें, क्या गिरवी रखें, कौन-सा खर्च रोकें। बीमारी मरीज को बिस्तर पर लिटाती है, भारी बिल पूरे परिवार की कमर तोड़ देता है। इसे सिर्फ व्यापार कहना इस पीड़ा को छोटा करना है।मरीज को इलाज चाहिए, सिफारिशों की फाइल नहीं। सरकार नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी और संबंधित विभाग को सिफारिश भेज चुकी है, लेकिन जरूरत अब कागज से आगे बढ़ने की है। जरूरी मेडिकल उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की कीमतों पर नियंत्रण हो, व्यापारिक मार्जिन की तार्किक सीमा तय हो और बिल में खरीद मूल्य व मरीज से वसूली गई रकम साफ लिखी जाए। मरीज को अपने इलाज का हिसाब समझने के लिए अर्थशास्त्र पढ़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उसे बस पता हो कि वस्तु कितने में आई और उससे कितने लिए गए। स्वास्थ्य सेवा में पारदर्शिता कोई सुविधा नहीं, भरोसे की पहली शर्त है। यह समस्या महाराष्ट्र की सीमा पर खड़ी कोई अकेली दीवार नहीं है। निजी स्वास्थ्य व्यवस्था में अस्पताल का बिल, इलाज की कीमत और बीमा खर्च एक-दूसरे से जुड़े हैं। आज बढ़ा इलाज खर्च कल बीमा प्रीमियम के रूप में आम आदमी की जेब पर लौट सकता है। सवाल सीधा है—स्वास्थ्य सेवा का मकसद मरीज को स्वस्थ करना है या उसकी मजबूरी से कमाई करना? अस्पतालों को खर्च निकालने और उचित लाभ कमाने का अधिकार है, लेकिन मुनाफे की भी सीमा और मर्यादा होती है। जिस मरीज के पास बीमारी के समय सौदेबाजी का विकल्प नहीं, उसकी मजबूरी कमाई का आधार बन जाए तो स्वास्थ्य सेवा का भरोसा ही कटघरे में खड़ा हो जाता है। अस्पताल में इलाज के साथ भरोसा भी दांव पर होता है। 11.05 रुपये का आईवी सेट 325 रुपये में बिकना इसी भरोसे पर सवाल है। बीमारी में परिवार डॉक्टर, अस्पताल और व्यवस्था पर विश्वास करता है कि उसकी मजबूरी समझी जाएगी, उसका फायदा नहीं उठाया जाएगा। लेकिन मामूली मेडिकल वस्तु पर हजारों प्रतिशत का अंतर सामने आए तो चोट जेब और विश्वास, दोनों पर पड़ती है।

मेष राशि:मेष राशि वालों आज गुरु की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। साथ ही आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आप कारोबार में कुछ परिवर्तन करने की कोशिश करेंगे, जिसका आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आज किसी महत्वपूर्ण मामले पर कुछ खास व्यक्तियों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा लाभ लेना चाहिए।

वृष राशि:वृष राशि वालों आज माता-पिता की मदद मिलने से आपका काम पूरा होगा। आज आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही आज उधार के लेन-देन से आपको जरूर बचना चाहिए। आज किसी जरूरी काम में सफल होने से आपकी प्रशंसा दूर-दूर तक होगी।

मिथुन राशि:मिथुन राशि वालों, आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबको बहुत पसंद आएगी और आपको बड़े स्तर पर काम करने को मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी, आपको सुख-सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

कर्क राशि:कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी और क्लाइंट के साथ आपके रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशियों से भरा रहेग`।

सिंह राशि:सिंह राशि वालों आज संतान सुख की प्राप्ति होने का योग बना हुआ है। आज सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे और मन-मुताबिक काम पूरे होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपको अधिकारी वर्ग से बातचीत करते समय सावधानी रखनी चाहिए, जिससे आपका काम जल्दी से निपट जाए।

कन्या राशि:कन्या राशि वालों आज कहीं रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा। आज आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे और परिवार का सहयोग बना रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में आप आगे रहेंगे और असहाय व्यक्तियों की मदद करेंगे, जिससे उनका जीवन सहज हो जाएगा।

तुला राशि:तुला राशि वालों आज आपकी मुलाकात किसी मित्र से होगी। इस मुलाकात से आपका मन बहुत ही प्रसन्न होगा। आज कोई बड़ा फैसला लेने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आज आपको शुभ समाचार मिलने के योग बने हुए हैं।

वृश्चिक राशि:वृश्चिक राशि वालों आज आप अपने भविष्य के बारे में सोच-विचार करेंगे। आज परिवार के सदस्यों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। आज कार्यस्थल पर कलीग का सहयोग मिलने से आपका कार्य समय से पूरा हो जाएगा। साथ ही आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी।

धनु राशि : धनु राशि वालों आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। आज आपको अपने काम पर फोकस करना चाहिए, जिससे ज्यादा से ज्यादा आउटपुट निकल सके। आज किसी रिश्तेदार से आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मकर राशि : मकर राशि वालों आज रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। आज बच्चों के किसी फैसले को लेकर आप असहमत होंगे, लेकिन उन्हें प्यार से समझाने का प्रयास करें। इस राशि के विद्यार्थियों को आज शिक्षक की तरफ से विशेष मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे परीक्षा में बेहतर परफॉर्म कर सकें।

कुंभ राशि : कुंभ राशि वालों आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। आज आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा, जिससे आपका काम सही समय पर पूरा हो जाएगा।

मीन राशि : मीन राशि वालों आज आप किसी काम की प्लानिंग करेंगे। आज परिवार के साथ आप खुशनुमा पल बिताएंगे। आज आपके व्यवहार से कुछ लोग बेहद प्रभावित होंगे। साथ ही किसी खास मामले में आपको अनुभवी व्यक्ति से सलाह मिलेगी। आज आपके आर्थिक पक्ष में मजबूती आएगी, जिससे आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आपको किसी शारीरिक समस्या से मुक्ति मिलेगी।

## विशेष लेख : आशीर्वाद का दीया : दीये की रोशनी से विकसित भारत के संकल्प तक

आशीर्वाद का दीया

दीया भारतीय जीवन और संस्कृति में केवल प्रकाश का प्रतीक नहीं है। वह विश्वास का प्रतीक है, आशा का प्रतीक है और अंधकार के बीच उजाले की निरंतर तलाश का प्रतीक है। मिट्टी का एक छोटा-सा दीप जब किसी घर की देहरी पर जलता है, तो उसका प्रकाश सीमित होते हुए भी मन में एक बड़ा विश्वास जगाता है कि अंधकार कितना भी गहरा हो, उजाले की एक किरण उसके सामने खड़ी हो सकती है। यही भाव 17 सितंबर की शाम 7 बजे छत्तीसगढ़ के घर-घर में जलने वाले 'आशीर्वाद का दीया' को विशेष अर्थ देता है। यह केवल एक दीप प्रज्वलन नहीं, बल्कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनने जा रहा है। 17 सितंबर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस का अवसर है। बीते वर्षों में इस दिन को सेवा, जनभागीदारी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प से जोड़ने की परंपरा मजबूत हुई है। इस बार 'आशीर्वाद का दीया' उसी भाव को एक नई अभिव्यक्ति देता है। यह दीपक उन करोड़ों भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक है, जो वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं। यह उस छत्तीसगढ़ की कल्पना का भी प्रतीक है, जो अपनी प्राकृतिक संपदा, श्रमशक्ति, संस्कृति और प्रतिभा के बल पर विकसित भारत की यात्रा में अपनी विशिष्ट भूमिका निभाए। विकास की चर्चा अक्सर बड़े आंकड़ों, बड़ी परियोजनाओं और बड़े निवेश के संदर्भ में होती है, लेकिन विकास का सबसे मानवीय चेहरा उस समय दिखाई देता है, जब किसी गरीब परिवार को अपना पक्का घर मिलता है। प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों परिवारों के जीवन में इसी बदलाव को संभव बनाया है। एक पक्का घर केवल ईंट, सीमेंट और छत का निर्माण नहीं होता। वह परिवार की सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की स्थिरता का आधार बनता है। किसी मां के लिए वह बारिश में बच्चों को सुरक्षित रखने का भरोसा है, किसी पिता के लिए वर्षों की चिंता से मुक्ति है और किसी बच्चे के लिए पढ़ाई तथा सपनों के लिए अपना एक सुरक्षित संसार है। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास निर्माण की गति ने ग्रामीण विकास को एक नई दिशा दी है।

इसी तरह उज्ज्वला योजना की एक रसोई में पहुंची गैस की लौ, जल जीवन मिशन के माध्यम से घर तक पहुंचा नल का पानी, आयुष्मान भारत के जरिए मिला स्वास्थ्य सुरक्षा कवच और जनधन योजना से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ा परिवार, ये सब विकास के अलग-अलग चेहरे हैं। इनके बीच एक साझा सूत्र है और वह है सामान्य नागरिक के जीवन को आसान, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना। सरकारी योजनाओं की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जा सकती कि कितने लाभार्थियों को लाभ मिला, बल्कि इस बात से भी मापी जानी चाहिए कि उस लाभ ने उनके जीवन में कितना भरोसा पैदा किया। विकसित भारत की यात्रा में महिला शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ की 'बिहान' जैसी पहल ने ग्रामीण महिलाओं को केवल बचत समूहों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आर्थिक गतिविधियों, उद्यमिता और बाजार से जोड़ने का रास्ता खोला है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आज कृषि, पशुपालन, प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद और विभिन्न स्थानीय व्यवसायों के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रही हैं। 'लखपति दीदी' की अवधारणा इसी परिवर्तन को एक व्यापक लक्ष्य देती है। जब एक महिला आर्थिक रूप से मजबूत होती है तो उसका प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता। उसका परिवार मजबूत होता है, बच्चों की शिक्षा बेहतर होती है और पूरे गांव की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा आती है। किसान के जीवन में समृद्धि विकसित छत्तीसगढ़ की बुनियादी शर्त है।

छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी कृषि, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और राज्य की कृषक उन्नति योजना जैसी पहलों ने किसान को आर्थिक सहारा देने के साथ कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में आधार तैयार किया है। अब कृषि को केवल उत्पादन की प्रक्रिया मानने के बजाय उसे मूल्यवर्धन से जोड़ने की आवश्यकता है। खेत से निकलने वाली उपज यदि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्कृत हो, उसकी पैकेजिंग और ब्रांडिंग हो तथा उसे बेहतर बाजार मिले, तो किसान की आय और ग्रामीण रोजगार दोनों बढ़ सकते हैं। एकीकृत कृषि, किसान उत्पादक संगठन और स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयां इसी दिशा में महत्वपूर्ण कड़ियां बन सकती हैं। गांवों का विकास सड़क, पानी, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने दूरस्थ गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान जैसे प्रयासों का महत्व उन क्षेत्रों में और बढ़ जाता है, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण मूलभूत सुविधाओं की पहुंच स्वयं एक चुनौती रही है। सड़क किसी गांव तक केवल वाहन नहीं पहुंचाती, वह बाजार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसर भी पहुंचाती है। इसलिए ग्रामीण अधोसंरचना का निर्माण वास्तव में सामाजिक और आर्थिक अवसरों का विस्तार है। छत्तीसगढ़ का विकास तब पूर्ण माना जाएगा, जब बस्तर से सरगुजा तक और मैदानी क्षेत्रों से लेकर वनांचलों तक विकास के अवसर समान रूप से पहुंचें। आदिवासी क्षेत्रों की अपनी संस्कृति, कला, परंपरा, वन संपदा और जीवन पद्धति है।

## पीएम मोदी के जन्मदिन पर रक्षा मंत्री-सीएम योगी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में की पूजा, दीर्घायु की कामना की

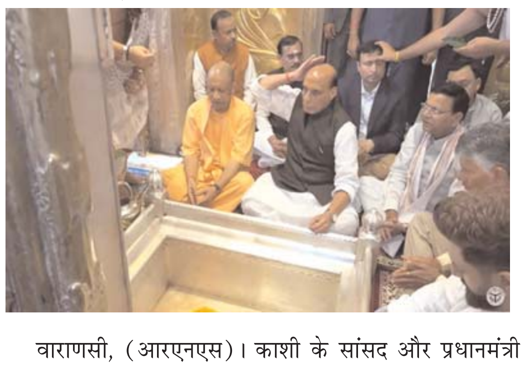

वाराणसी, (आरएनएस)। काशी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ का विशेष अनुष्ठान व दर्शन-पूजन किया। सभी ने मंदिर में जलाभिषेक व आरती कर बाबा के चरणों में श्रद्धा निवेदित की। नेताओं ने प्रधानमंत्री के यशस्वी सुदीर्घ जीवन के साथ ही देश-प्रदेश की खुशहाली की भी कामना की। प्रधानमंत्री के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन कर काशी के पुरोहितों और आचार्यों का सम्मान किया। वाराणसी से वडनगर तक सेवा संकल्प यात्रा से जुड़े बाइकर्स के साथ संवाद तथा काशी विश्वनाथ धाम में अपनी सेवाएं दे रहे स्वच्छता प्रहरियों को सम्मानित भी किया। इसके बाद सभी ने मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं को मिष्ठान वितरण किया। इसके लिए 19-19 किलो के चार लड्डू (76 किलो) तैयार किए गए थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। इस अवसर पर सभी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। सभी ने ईश्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु और आजीवन स्वस्थ रहने की प्रार्थना के साथ ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाने की कामना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री व काशी के लोकप्रिय सांसद नरेंद्र मोदी के पावन जन्मदिन पर रक्षा मंत्री, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री व भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष समेत वरिष्ठ नेताओं ने बाबा विश्वनाथ के पावन धाम में विशेष पूजा-अनुष्ठान संपन्न किया है। बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री के स्वस्थ व सुदीर्घ जीवन की प्रार्थना की गई। वह लंबे समय तक भारत का नेतृत्व करें, जिससे देशवासी उनके नेतृत्व में आत्मनिर्भर, सुरक्षित व विकसित भारत की संकल्पना देख सकें और उनके यशस्वी नेतृत्व में भारत दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था की तरफ से तेजी से आगे बढ़े।

कार्यक्रम के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, खजुराहो के सांसद विष्णुदत्त शर्मा, उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर, विधायक नीलकंठ तिवारी आदि भी मौजूद रहे।

## हिमाचल की मणिमहेश यात्रा पर अस्थाई रोक, मौसम की खराबी के चलते प्रशासन ने लिया फैसला

भरमौर, (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में खराब मौसम के चलते भरमौर प्रशासन ने मणिमहेश यात्रा को अस्थायी तौर पर रोक दिया है। मणिमहेश और गौरीकुंड क्षेत्र में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी के बाद प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया। एडीएम भरमौर विकास शर्मा ने यात्रा पर अस्थायी रोक की पुष्टि की है।

स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, गुरुवार सुबह से भरमौर के निचले इलाकों में बारिश हो रही है, जबकि ऊंचे पहाड़ों पर हल्का हिमपात हुआ है। मौसम की स्थिति को देखते हुए श्रद्धालुओं को फिलहाल आगे नहीं जाने और सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से आगामी आदेशों का इंतजार करने की अपील की है। मौसम साफ होने के बाद यात्रा फिर शुरू की जाएगी।

मणिमहेश यात्रा के बड़े शाही स्नान को लेकर भी अब मौसम की स्थिति पर नजर है। 18 सितंबर को दोपहर 1 बजे से बड़ा शाही स्नान शुरू होगा, जो 19 सितंबर शाम 3.28 बजे तक चलेगा। हिमाचल प्रदेश के अलावा पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और जम्मू से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शाही स्नान के लिए भरमौर पहुंचे हैं।

अब तक हजारों श्रद्धालु मणिमहेश की डल झील में पवित्र स्नान कर चुके हैं। बड़े शाही स्नान के दौरान भी हजारों श्रद्धालुओं के डल झील में डुबकी लगाने की संभावना है। शाही स्नान के साथ ही आधिकारिक तौर पर मणिमहेश यात्रा का समापन होगा। हालांकि, कल होने वाला शाही स्नान मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से मौसम खराब रहने की स्थिति में जोखिम न उठाने की अपील की है।

## 7 दिन में माफी मांगो... दिशा सालियान के पिता ने आदित्य ठाकरे-अनिल देशमुख को भेजा 500 करोड़ का नोटिस

मुंबई,(आरएनएस)। दिशा सालियान मौत मामले में एक बार फिर बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में दोनों नेताओं की ओर से दिए गए कुछ बयानों पर आपत्ति जताई गई है। सतीश सालियान ने मांग की है कि इन बयानों को वापस लिया जाए, सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जाए और उन्हें 500 करोड़ रुपए का हर्जाना दिया जाए। इसके लिए दोनों को 7 दिन का समय दिया गया है। यह नोटिस ऐसे समय आया है, जब दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इसकी जांच कर रही है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और पुराने जांच रिकॉर्ड, पुलिस की कार्रवाई, गवाहों के बयान, फॉरेंसिक और पोस्टमॉर्टम से जुड़े दस्तावेजों समेत कई पहलुओं की नए सिरे से जांच शुरू की है।

# अन्नपूर्णा योजना की नई किस्त जारी, पीएम मोदी बोले-इससे महिलाओं का बढ़ता है आत्मविश्वास

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर पश्चिम बंगाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अन्नपूर्णा योजना की नई किस्त जारी की गई। पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा कि अन्नपूर्णा योजना के रूप में बंगाल की माताओं-बहनों से नया सामर्थ्य जुड़ा है। उन्होंने इस योजना से लाभ पाने वाली हर महिला को बधाई और शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने कहा, घर में हमारी माताओं-बहनों के कंधों पर बहुत सारी जिम्मेदारियां होती हैं। अनेक छोटे-बड़े फैसलों के बीच, एक महिला हर तरीके से परिवार का ख्याल रखती है और जब उनके पास जरूरी खर्चों की चिंता कम होती है, तो उनका आत्मविश्वास और बढ़ जाता है। अन्नपूर्णा योजना बंगाल की महिलाओं के आत्मविश्वास को मजबूती देने का ऐसा ही महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रधानमंत्री ने बताया कि बंगाल की बहनों के बैंक खातों में हर महीने एक निश्चित राशि पहुंचेगी, जिसके लिए उन्हें किसी से कहना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ये उनके लिए बहुत बड़ा संबल है। पीएम मोदी ने कहा, आज करीब 1.5 करोड़ बहनों के खातों में अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त पहुंच रही है यानी हर महीने 3,000 रुपए। ये किसी मां के लिए बच्चे की पढ़ाई का खर्च हो सकता

है। किसी बहन के लिए दवा या घर की कोई जरूरी चीज खरीदने का सहारा हो सकता है। हमारी सोच है, बंगाल की महिलाओं के पास फैसले की ताकत भी हो और आगे बढ़ने का हौसला भी हो।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि एक भी पात्र महिला अन्नपूर्णा योजना के लाभ से वंचित न रहे और इसके लिए तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा, सरकार बनने के कुछ ही दिनों के भीतर अन्नपूर्णा योजना पर काम शुरू हो गया था। आज कई महिलाओं को सीधे उनके बैंक खातों में वित्तीय सहायता मिल रही है।

इसमें कोई बिचौलिया नहीं है और कोई कट मनी नहीं है। उन्होंने कहा कि माताओं, बहनों, बेटियों के जीवन चक्र से जुड़ी हर समस्या का समाधान करना भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने बताया, गर्भावस्था के दौरान शिशु को पौष्टिक खाना मिले, इसके लिए हमने मातृ वंदना योजना चलाई, माताओं के खातों में पैसा भेजना शुरू किया। बेटी को कोख में ही न समाप्त कर दिया जाए, इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की।प्रधानमंत्री ने कहा, बेटी जब बड़ी होकर स्कूल जाने लगे तो शौचालय न होने की वजह से स्कूल न छोड़े, इसके लिए करोड़ों शौचालय बनाए। बेटी की शिक्षा जारी रहे, इसके लिए सुकन्या समृद्धि योजना में इतना ब्याज दिया। बेटी के लिए सैनिक स्कूलों के द्वार खोले। बेटी अपना काम शुरू कर सके, इसके लिए बिना ब्याज मुद्रा योजना शुरू की।

जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल सरकार ने पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर अन्नपूर्णा योजना के तहत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 3000 रुपए की वित्तीय सहायता डीबीटी के जरिए भेजी है।

## ब्रज की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के लिए 'ब्रज की खोज' परियोजना का शुभारंभ

### भारतीय पुरातत्त्व परिषद और ब्रिसेक -सीसीआई के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली , (आरएनएस)। ब्रज क्षेत्र के इतिहास, संस्कृति और पुरातत्त्व के समग्र अध्ययन, संरक्षण और संवर्धन के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना ब्रज की खोज (Discovering Braj) की शुरुआत की गई है। इस हेतु भारतीय पुरातत्त्व परिषद, नई दिल्ली और ब्रिसेक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिसेक -सीसीआई ), नई दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू ) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता 17 सितंबर 2026 को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में संपन्न हुआ। समझौते पर भारतीय पुरातत्त्व परिषद की ओर से उपाध्यक्ष एवं महासचिव प्रो. डॉ. बी. आर. मणि और ब्रिसेक -सीसीआई की ओर से चेयरमैन डॉ. हरवंश चावला ने हस्ताक्षर किए। यह परियोजना भारतीय पुरातत्त्व परिषद के पुरातात्विक एवं अकादमिक अनुभव तथा ब्रिसेक -सीसीआई के संस्थागत, वित्तीय और अवसंरचनात्मक सहयोग से संचालित की जाएगी। समझौता समारोह में देश के प्रख्यात शिक्षाविदों, पुरातत्त्वविदों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों तथा अन्य गणमान्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। समारोह में अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रो. (डॉ.) मुरली मनोहर जोशी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरआरएस ) से सुरेश सोनी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से डॉ. कृष्ण गोपाल, राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना (ABISY) डॉ. बालमुकुंद पांडेय, अध्यक्ष, हरिजन सेवक संघ प्रो. शंकर कुमार सान्याल, पूर्व सांसद तरुण विजय, सांसद मथुरा हेमा मालिनी, सह-अध्यक्ष ब्रिसेक -सीसीआई अशोक कुमार सिंह, सेवानिवृत्त आईएएस एवं सदस्य सचिव इंटैक रविंद्र सिंह, निदेशक वृंदावन रिसर्च इंस्टीट्यूट डॉ. राजीव द्विवेदी, चेयरमैन वृंदावन रिसर्च इंस्टीट्यूट रविंद्र दत्त पालीवाल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. एस. पी. मंजुल, कोषाध्यक्ष भारतीय पुरातत्त्व परिषद डॉ. आशा जोशी, महानिदेशक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यदुवीर सिंह रावत, अधीक्षण पुरातत्वविद मेरठ मंडल डॉ. विनय गुप्ता तथा चेयरमैन इंटैक डॉ. अशोक सिंह ठाकुर सहित अनेक विद्वान उपस्थित थे।

## हम ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे, अमेरिका के 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी पर भारत की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (ए.) । रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाने का रास्ता अब अमेरिका में साफ होता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर प्रतिबंधों से जुड़े विधेयक को 262-159 मतों से पारित कर दिया है। यह विधेयक अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनके हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन सकता है। विधेयक में रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार राष्ट्रपति को देने का प्रावधान है। भारत और चीन को इस प्रावधान से प्रभावित होने वाले प्रमुख खरीदारों के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिकी कांग्रेस में विधेयक पारित होने के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। मंत्रालय ने दोहराया कि भारत अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए भारत अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने और बाजार की बदलती परिस्थितियों के आधार पर अपनी रणनीति तय करता रहेगा।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों के दौरान भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर उच्च स्तर पर बातचीत हुई है। भारत ने अमेरिका को स्पष्ट किया है कि प्रस्तावित टैरिफ के असर केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रह सकते, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है।

भारत ने यह भी कहा है कि वह अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार इन घटनाक्रमों के संभावित असर से निपटने के लिए भारतीय व्यापार और उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करेगी।

## वीर सैनिकों के सम्मान में रक्षा मंत्रालय बड़ा फैसला, जीवनभर मुफ्त रेल यात्रा कर सकेंगे जांबाज और उनके परिवार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देने वाले जांबाज सैनिकों और उनके परिजनों के सम्मान में रक्षा मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक और बड़ा फैसला लिया है। सेना पदक, नौसेना पदक और वायु सेना पदक (वीरता) से सम्मानित सैनिकों को अब भारतीय रेल में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। सरकार के इस कदम का लाभ न केवल वीरता पुरस्कार विजेता सैनिकों को बल्कि उनके जीवनसाथी को भी ताउम्र मिलेगा। इसके अलावा, विधवा या विधुर के मामलों में यह सुविधा उनके पुनर्विवाह तक लगातार जारी रहेगी।

**शहीद अविवाहित सैनिकों के माता-पिता भी होंगे शामिल**

रक्षा मंत्रालय की इस विशेष पहल में उन जांबाजों के परिवारों का भी खास ख्याल रखा गया है जिन्होंने देश सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। सेना के अनुसार, इस योजना के दायरे में उन वीर सैनिकों के माता-पिता को भी शामिल किया गया है, जिन्हें अविवाहित रहते हुए मरणोपरांत वीरता पदक से सम्मानित किया गया था। इस नीति के तहत सभी पात्र लाभार्थी भारतीय रेलवे की प्रथम श्रेणी , द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी और एसी चेयर कार में आरामदायक और ससम्मान सफर कर सकेंगे।

पूरी व्यवस्था होगी डिजिटल, 1 नवंबर से ऑनलाइन बुकिंग

योजना को बेहद पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह से पेपरलेस (कागज रहित) रखा है। लाभार्थियों को दफ्तरों के चक्कर काटने से बचाने के लिए भारतीय रेलवे रियायत कार्ड पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा दी जाएगी।

## जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के नियम बदलेंगे, 1 अक्टूबर से 2 साल बाद रजिस्ट्रेशन के लिए मजिस्ट्रेट की मंजूरी जरूरी

नई दिल्ली (ए.)। जन्म और मृत्यु के रजिस्ट्रेशन से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के प्रावधान 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। नए प्रावधानों के तहत जन्म या मृत्यु का रजिस्ट्रेशन कराने में देरी होने पर प्रक्रिया पहले के मुकाबले अधिक सख्त होगी। खास तौर पर घटना के दो साल से अधिक समय बाद रजिस्ट्रेशन कराने के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की जरूरत होगी।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने गजट अधिसूचना जारी कर बताया कि केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर 2026 को अधिनियम के प्रावधान लागू होने की तारीख तय की है।

नए कानून के तहत जन्म या मृत्यु की घटना के दो साल से अधिक समय बाद रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करने पर प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश अनिवार्य होगा। यानी दो साल से अधिक पुराने जन्म या मृत्यु के मामलों का रजिस्ट्रेशन अब सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया के जरिए नहीं कराया जा सकेगा। ऐसे मामलों में न्यायिक स्तर पर जांच और मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना होगा।

अगर जन्म या मृत्यु के रजिस्ट्रेशन के लिए एक साल से अधिक, लेकिन दो साल के भीतर आवेदन किया जाता है, तो संबंधित अधिकारी की मंजूरी लेनी होगी। ऐसे मामलों में जिलाधिकारी, उप-जिलाधिकारी या अधिकृत कार्यकारी मजिस्ट्रेट आदेश जारी कर सकते हैं। अधिकारी को रजिस्ट्रेशन से पहले दी गई जानकारी की सत्यता की जांच करनी होगी। इसके बाद निर्धारित शुल्क जमा करने पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा।

नए प्रावधानों में देरी से रजिस्ट्रेशन के लिए अलग-अलग स्तर पर जांच और मंजूरी की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य जन्म और मृत्यु की घटनाओं का समय पर रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करना और आधिकारिक रिकॉर्ड को अधिक व्यवस्थित एवं अद्यतन रखना है।

जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक को संसद के दोनों सदनों ने पारित किया था। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बन गया। यह मूल जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में संशोधन करता है। इससे पहले 2023 में भी इस कानून में संशोधन किया गया था, जिसके प्रावधान 1 अक्टूबर 2023 से लागू हुए थे।जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 का उद्देश्य देश में जन्म और मृत्यु के रजिस्ट्रेशन को नियंत्रित करने के लिए कानूनी व्यवस्था उपलब्ध कराना है। कानून के तहत जन्म और मृत्यु का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। जन्म प्रमाणपत्र किसी व्यक्ति की जन्मतिथि और पहचान से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों में शामिल है, जबकि मृत्यु प्रमाणपत्र मृत्यु की आधिकारिक पुष्टि के लिए महत्वपूर्ण रिकॉर्ड होता है।नए प्रावधानों में देरी से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सख्त करने का उद्देश्य लोगों को जन्म और मृत्यु की घटनाओं की जानकारी समय पर दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार के अनुसार, इससे आधिकारिक रिकॉर्ड समय पर अपडेट रखने और जन्म-मृत्यु से संबंधित आंकड़ों को अधिक विश्वसनीय बनाने में मदद मिलेगी।

# सेंसर बोर्ड की नई टीम का ऐलान, प्रीति जिंटा, सुनील शेट्टी समेत ये 18 सितारे बने बोर्ड के सदस्य

नई दिल्ली (निप्र)। केंद्र सरकार ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। नई व्यवस्था में फिल्म, टेलीविजन, संगीत, साहित्य और कला जगत से जुड़े कई चर्चित चेहरों को बोर्ड में जगह दी गई है। नई नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी और सदस्यों का कार्यकाल अधिकतम तीन वर्ष तक हो सकता है।

नए बोर्ड में मनोज जोशी, प्रियदर्शन, सुनील शेट्टी, प्रीति जिंटा, पंकज त्रिपाठी और प्रोसेनजीत चटर्जी जैसे नाम शामिल हैं। इनके अलावा संगीतकार रिकी केज, अभिनेता एवं सांसद हंसराज हंस, अभिनेत्री रूपाली गांगुली, फिल्ममेकर नीला माधब पांडा, अभिनेत्री पल्लवी जोशी और निशिगंधा वाड को भी सदस्य बनाया गया है। बोर्ड में विनोद अनुपम, अभिषेक जैन, सुप्रिया यारलागड्डा, यतिंद्र मिश्रा, वामन केंद्रे और रमेश पतंगे को भी शामिल किया गया है। मई 2026 में शशि शेखर वेम्पति को CBFC का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, उनका कार्यकाल तीन वर्ष का है।

**सीबीएफसी का क्या काम है?**

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत काम करने वाला वैधानिक निकाय है। भारत में किसी फिल्म को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने से पहले सीबीएफसी से प्रमाणन लेना आवश्यक होता है। बोर्ड का गठन सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत किया गया है। फिल्म की सामग्री की जांच के बाद उसे निर्धारित प्रमाणपत्र दिया जाता है। प्रमाणन व्यवस्था में यू, यूए, ए और एस जैसी श्रेणियां शामिल हैं।' ' सभी उम्र के दर्शकों के लिए, जबकि ए वयस्क दर्शकों के लिए होता है।

**फिल्म को सर्टिफिकेट कैसे मिलता है?**

फिल्म निर्माता सीबीएफसी की ऑनलाइन ई-सीनेप्रमान प्रणाली के जरिए प्रमाणन के लिए आवेदन कर सकते हैं। फिल्म की जांच के दौरान उसकी सामग्री को निर्धारित नियमों और दिशानिर्देशों के आधार पर देखा जाता है। जरूरत के अनुसार प्रमाणन प्रक्रिया में संशोधन या कट की मांग की जा सकती है। सरकार के अनुसार, सीनेमाटोग्राफ नियम 2024 के तहत फिल्म प्रमाणन के लिए निर्धारित अधिकतम समयसीमा 48 कार्यदिवस है। फरवरी 2026 में सरकार ने बताया था कि औसतन फीचर फिल्मों के प्रमाणन में करीब 18 कार्यदिवस और शॉर्ट फिल्मों में करीब 3 कार्यदिवस लग रहे थे।

## रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी कानून को लेकर भारत सतर्क, कहा-हितों की रक्षा के लिए उठाएंगे कदम

नई दिल्ली, (आरएनएस)। रूस से तेल-गैस खरीद पर 100 प्रतिशत तक

शुल्क लगाने वाले अमेरिकी कानून सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट पर भारत ने कहा कि सरकार घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने एक ऐसा कानून पारित किया है, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। भारत सरकार ने अमेरिकी कांग्रेस में सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट पर ध्यान रख रही है। मंत्रालय ने कहा कि जैसा कि भारत पहले भी कई बार स्पष्ट कर चुका है, देश अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत आगे भी विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने और बाजार की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यही नीति जारी रखेगा। मंत्रालय ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में इस मुद्दे पर अमेरिका के विभिन्न अधिकारियों के साथ उच्च स्तर पर चर्चा की गई है। भारत ने स्पष्ट रूप से बताया है कि इस कानून का असर केवल भारत-अमेरिका संबंधों पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है। भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अपने व्यापारिक और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सरकार इन घटनाक्रमों के संभावित प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी।

# गाजा में बमबारी से 7 मंजिला इमारत जमींदोज, 20 लोगों की मौत; 100 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका

यरूशलेम (ए)। गाजा शहर में रातभर हुए भीषण बम धमाकों के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां 'तल अल-हवा' इलाके में स्थित एक सात मंजिला रिहायशी इमारत ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इस भयानक तबाही के मलबे में दबकर 5 मासूम बच्चों समेत कम से कम 20 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है, जबकि 14 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इमारत में करीब 10 परिवार रह रहे थे और आशंका जताई जा रही है कि मलबे के नीचे अब भी 100 से अधिक लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

## मलबे के नीचे से आ रहीं चीखें, हाथों से पत्थर हटाने को मजबूर लोग

गाजा शहर की सिविल डिफेंस सर्विस के निदेशक राएद अल-दहशान ने बताया कि बचाव दल को कंक्रीट के भारी मलबों के नीचे से अब भी फंसे हुए लोगों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। हालांकि, इलाके में मलबे को हटाने के लिए जरूरी भारी मशीनरी, क्रेन और आधुनिक उपकरणों का भारी अभाव है। इस कमी के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद धीमी गति से चल रहा है। अपनों को जिंदा बचाने की उम्मीद में स्थानीय नागरिक सिविल डिफेंस की टीमों के साथ मिलकर नंगे हाथों से ही भारी मलबा और ईंट-पत्थर हटाने में जुटे हैं।

इस दर्दनाक स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और मिस्र की राहत एजेंसियों के बचाव कर्मी भी राहत अभियान में शामिल हो गए हैं। यूएनडीपी के गाजा कार्यालय प्रमुख एलेसेंड्रो म्राकिक ने

जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि हालात बेहद दुखद और चिंताजनक हैं। उनके पास रेस्क्यू के बुनियादी संसाधन तक मौजूद नहीं हैं, जिससे मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की पूरी आशंका है। म्राकिक ने यह भी चेतावनी दी कि क्षेत्र में करीब 400 कमजोर इमारतें गिरने की कगार पर हैं और सर्दियों की आहट के साथ यह संकट और भी गहरा सकता है।

## इस देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित, लोगों के बीच तेजी से फैल रही ये खतरनाक बीमारी

सुवा (आरएनएस)। प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश फिजी में एचआईवी संक्रमण दर तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया गया है। देश में संक्रमण की स्थिति गंभीर होने के बीच सरकार ने रोकथाम, जांच और उपचार के प्रयासों को तेज करने का फैसला किया है। फिजी में एचआईवी संक्रमण के मामलों में पिछले कुछ वर्षों के दौरान जबरदस्त वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, वर्ष 2025 में देश में एचआईवी के 2,016 नए मामले सामने आए, जबकि 2024 में यह संख्या 1,583 थी। यानी एक साल में नए मामलों में करीब 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। फिजी के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री डॉ. रातु एटोनियो लालाबालावु ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा करते हुए कहा कि संक्रमण की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए तत्काल और समन्वित कदम उठाने की जरूरत है। एफबीसी न्यूज एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिजी में एचआईवी संक्रमण बढ़ने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। इनमें असुरक्षित यौन संबंध, नशीली दवाओं को इंजेक्शन के जरिए लेने के दौरान संक्रमित सुइयों का इस्तेमाल, एचआईवी की कम जांच और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच शामिल हैं। देश में मेथामफेटामाइन जैसी नशीली दवाओं के इस्तेमाल में वृद्धि को लेकर भी चिंता जताई गई है।

## सऊदी आरामको ने भारतीय रिफाइनरियों को कच्चे तेल की आपूर्ति रोकी

रियाद, (आरएनएस)। सऊदी अरब की तेल कंपनी आरामको ने भारतीय रिफाइनरियों को कच्चे तेल की आपूर्ति बंद कर दी है। सूत्रों ने मामले से परिचित लोगों का हवाला देते हुए ये जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरामको ने भारतीय रिफाइनरियों को सूचित किया है कि अपनी अहम पूर्व-पश्चिम तेल पाइपलाइन पर हुए हमलों के बाद अगली सूचना तक वह उन्हें कच्चे तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अरामको ने लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य दोनों रास्तों से कच्चे तेल का निर्यात रोक दिया है। ईरान युद्ध के चलते होर्मुज से आपूर्ति पहले से ही बाधित थी, जबकि यमन से सटे लाल सागर के लगभग पूरे तट पर हूती विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अभी सऊदी अरब से अपने कॉन्ट्रैक्ट के तहत तय आपूर्ति नहीं मिल रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी ने कुछ 'स्पॉट कार्गो' (तत्काल डिलीवरी वाले तेल के लॉट) ऐसे ट्रेडर्स को बेचे हैं, जिनसे होर्मुज के रास्ते भारतीय रिफाइनरियों को तेल पहुंचाने की उम्मीद है।

माना जा रहा है कि ये ट्रेडर्स भारी छूट पर इराकी कच्चा तेल खरीदकर उसे जलडमरूमध्य से होते हुए ओमान की खाड़ी तक ले जाएंगे फिर वे भारतीय और अन्य ग्राहकों तक तेल पहुंचाने के लिए कार्गो को एक जहाज से दूसरे जहाज में ट्रांसफर करेंगे।

## नासा ने खोजा चांद पर विशाल नया गड्ढा, 141 फीट तक गहरा है क्रेटर

वाशिंगटन, (आरएनएस)। वैज्ञानिकों ने चांद पर नया गड्ढा खोजा है, जो करीब दो साल पहले हुए एक बड़े टकराव से बना था। यह घटना इतनी तेज थी कि धरती और अंतरिक्ष में मौजूद दूरबीनों में भी इसका तुरंत पता नहीं लगा सकीं। नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर ने मई, 2024 में इसकी तस्वीरें ली थीं। हालांकि, डाटा की जांच के दौरान इसकी पहचान काफी देर से हुई। इस खोज से चांद की सतह और वहां होने वाले बदलावों को समझने में मदद मिलेगी।

यह क्रेटर करीब 728 फीट चौड़ा और 141 फीट तक गहरा है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह हाल के समय में सोलर सिस्टम में बना सबसे बड़ा इम्पैक्ट क्रेटर है। इसका आकार रोमन कोलोसियम से भी बड़ा बताया गया है। यह गड्ढा नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर से करीब एक दशक पहले खोजे गए पिछले रिकॉर्ड वाले क्रेटर से तीन गुना बड़ा है।

इसका नाम दिवंगत वैज्ञानिक थॉमस मैकगेचिन के नाम पर रखा गया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस टकराव से चांद की सतह से 66 मील से ज्यादा दूरी तक प्रभावित हुई। धूल और पत्थर उम्मीद से ज्यादा ऊंचे कोण पर उछले। दूसरी स्टडी में क्रेटर के आसपास करीब चार मील चौड़ा ठंडा क्षेत्र मिला है। वैज्ञानिकों ने बताया कि इस घटना से चांद की ऊपरी मिट्टी उलट-पुलट गई। इससे सतह के नीचे मौजूद सामग्री ऊपर आ गई, जिसे उन्होंने बागवानी जैसी प्रक्रिया से समझाया है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इतनी बड़ी घटना करीब 132 साल में एक बार होती है।

अध्ययन से यह भी पता चला कि चांद की ऊपरी मिट्टी पहले के अनुमान से ज्यादा तेजी से बदल रही है। इसका असर अपोलो मिशन के पैरों के निशानों पर भी पड़ सकता है।

## अमेरिकी जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे हूती, बदले में सऊदी की मदद नहीं करेगा अमेरिका

वाशिंगटन/सना, (आरएनएस)। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों के साथ चुपचाप एक समझौता किया है। इसके मुताबिक, हूती विद्रोहियों ने कहा है कि वे लाल सागर में अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे। वहीं, अमेरिका ने वादा किया है कि वो हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब की मदद नहीं करेगा। सूत्रों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट में ये दावा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ओमान की राजधानी मस्कट स्थित अमेरिकी दूतावास में अमेरिकी अधिकारियों और हूती विद्रोहियों के बीच बैठक हुई थी। इसमें हूतियों ने अमेरिका को आश्वासन दिया कि दोनों पक्षों के बीच 2025 में हुआ युद्धविराम समझौता अभी भी लागू है और वे लाल सागर में अमेरिकी जहाजों को निशाना नहीं बनाएंगे।

## मरने के 8 मिनट बाद जिंदा हुई महिला, बताया मौत के बाद क्या होता है

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मौत के बाद इंसान के साथ क्या होता है और क्या चेतना शरीर खत्म होने के बाद भी मौजूद रहती है? यह सवाल सदियों से रहस्य बना हुआ है। धार्मिक मान्यताओं से लेकर विज्ञान तक, इस विषय पर अलग-अलग विचार मिलते हैं। इसी बीच अमेरिका की 33 वर्षीय महिला ब्रिआना लैफर्टी के कथित इस सवाल को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। ब्रिआना के मुताबिक, एक मेडिकल घटना के दौरान वह करीब 8 मिनट तक क्लिनिकली डेड स्थिति में थीं। उनका दावा है कि उस दौरान उन्हें अपने शरीर से अलग होने और आसपास हो रही घटनाओं का अनुभव हुआ। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि उनके अनुभव को वैज्ञानिक रूप से मौत के बाद जीवन का प्रमाण नहीं माना गया है।

ब्रिआना के अनुसार, उस दौरान उन्हें ऐसा महसूस हुआ जैसे उनकी चेतना उनके शरीर से अलग हो गई हो। उन्होंने दावा किया कि वह अपने शरीर को बाहर से देख पा रही थीं। उनके

मुताबिक, उस समय उन्हें किसी तरह का दर्द महसूस नहीं हुआ और इसके बजाय एक अजीब तरह की शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने अपने अनुभव को डरावना होने के बजाय शांत और अलग तरह का बताया।

### सुनाई दी एक रहस्यमयी आवाज

ब्रिआना का कहना है कि शरीर से अलग होने जैसा अनुभव होने के बाद उन्हें एक आवाज सुनाई दी। उनके मुताबिक, आवाज ने उनसे पूछा कि क्या वह तैयार हैं? इसके बाद उन्हें अंधेरे जैसी अनुभूति हुई। उनका दावा है कि इस अनुभव के बाद मौत को लेकर उनकी सोच पूरी तरह बदल गई। उन्होंने महसूस किया कि इंसान का अस्तित्व केवल उसके शरीर तक सीमित नहीं हो सकता। ब्रिआना के मुताबिक, इस अनुभव ने उन्हें यह मानने पर मजबूर किया कि मौत शायद वह अंतिम पड़ाव नहीं है, जैसा आमतौर पर माना जाता है। उनका दावा है कि शरीर के खत्म होने के बाद भी चेतना किसी रूप में मौजूद रह सकती है।

हालांकि, यह उनका व्यक्तिगत अनुभव और विश्वास है। इसे वैज्ञानिक तथ्य के तौर पर स्थापित नहीं किया गया है। क्या होता है Near-Death E&perience? ऐसे अनुभवों को मेडिकल और रिसर्च की भाषा में Near-Death E&perience (NDE) कहा जाता है।

कुछ लोग बताते हैं कि गंभीर स्थिति में पहुंचने पर उन्हें तेज रोशनी दिखाई दी, शरीर से बाहर निकलने जैसा एहसास हुआ, किसी आवाज या व्यक्ति की मौजूदगी महसूस हुई या बेहद शांति का अनुभव हुआ। वहीं विज्ञान के स्तर पर अभी तक ऐसा कोई निर्णायक प्रमाण नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि मृत्यु के बाद आत्मा या चेतना किसी दूसरी दुनिया में चली जाती है।

# फीचर

## ऑनलाइन हेयर स्ट्रेटनर खरीदने जा रहे हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

*अगर आप अपने बालों को सीधा करने के लिए ऑनलाइन हेयर स्ट्रेटनर खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सही हेयर स्ट्रेटनर का चयन करना न केवल आपके बालों को सुंदर बनाएगा, बल्कि उन्हें सुरक्षित भी रखेगा। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने लिए सही हेयर स्ट्रेटनर चुन सकते हैं और बालों को नुकसान से बचा सकते हैं।*

### प्लेट्स का मटेरियल चुनें

*हेयर स्ट्रेटनर खरीदते समय सबसे पहले उसके प्लेट्स के मटेरियल पर ध्यान दें। टाइटेनियम, सिरेमिक और टूरमलाइन जैसे मटेरियल सबसे अच्छे होते हैं क्योंकि ये गर्मी को समान रूप से फैलाते हैं और बालों को जलने से बचाते हैं। सिरेमिक प्लेट्स बालों को चिकना रखने में मदद करते हैं, जबकि टाइटेनियम प्लेट्स जल्दी गर्म होते हैं और लंबे समय तक गर्म रहते हैं। टूरमलाइन प्लेट्स भी अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये बालों को चमकदार बनाते हैं।*

### तापमान नियंत्रण होना चाहिए जरूरी

*सही तापमान नियंत्रण वाला हेयर स्ट्रेटनर आपके बालों की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे स्ट्रेटनर चुनें, जिनमें तापमान सेटिंग्स हों ताकि आप अपने बालों के प्रकार और जरूरतों के अनुसार तापमान सेट कर सकें। कम तापमान पर हल्के और पतले बालों के लिए, जबकि ज्यादा तापमान पर घने और कड़े बालों के लिए काम करना चाहिए। इससे आपके बालों को नुकसान नहीं होगा और वे स्वस्थ रहेंगे।*

### प्लेट्स का आकार देखें

*हेयर स्ट्रेटनर का आकार भी महत्वपूर्ण होता है। अगर आपके बाल मोटे और घने हैं तो चौड़े प्लेट्स वाला स्ट्रेटनर लें ताकि एक बार में ज्यादा बाल स्ट्रेट हो सकें, वहीं अगर आपके बाल पतले या बारीक हैं तो पतले प्लेट्स वाला स्ट्रेटनर बेहतर रहेगा क्योंकि इससे छोटे हिस्सों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा छोटे और मध्यम आकार के बालों के लिए भी अलग-अलग आकार के स्ट्रेटनर उपलब्ध होते हैं।*

### सुरक्षा सुविधाएं हों उपलब्ध

*बालों को सीधा करते समय सुरक्षा सुविधाएं बहुत अहम होती हैं।*

*ऐसे हेयर स्ट्रेटनर चुनें, जिनमें ऑटोमैटिक बंद होने का फीचर हो ताकि लंबे समय तक उपयोग न करने पर यह अपने आप बंद हो जाए। इससे आग लगने जैसी घटनाओं से बचाव होता है। इसके अलावा हीट-फ्रूफ टिप्स भी होनी चाहिए ताकि आप आसानी से इसे पकड़ सकें बिना जलने के खतरे के। इन सुविधाओं से आपका अनुभव सुरक्षित और आरामदायक रहेगा।*

*ब्रांड और रिव्यूज पर दें ध्यान*

*जब आप ऑनलाइन हेयर स्ट्रेटनर खरीद रहे हों तो ब्रांड का चयन सोच-समझकर करें। अच्छे ब्रांड्स आमतौर पर गुणवत्ता और सेवा में बेहतर होते हैं। साथ ही ग्राहकों द्वारा लिखे गए रिव्यूज पढ़ें ताकि आपको उत्पाद की वास्तविकता पता चल सके। इससे आपको सही जानकारी मिलेगी और आप गलत चयन से बच सकेंगे।*

## रोहित रॉय के डस्टबिन मीडियम वाले बयान से चाहत खन्ना सहमत, बोलीं- कहानी और क्रिएटिविटी में टीवी कहीं नहीं

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने टीवी इंडस्ट्री को लेकर चल रही बहस के बीच रोहित रॉय के हालिया विवादित बयान पर अपनी राय रखी है। रोहित ने अपने एक इंटरव्यू में टीवी को डस्टबिन मीडियम तक कह दिया था और मौजूदा टीवी कंटेंट की क्वालिटी, कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। अब चाहत खन्ना ने भी माना है कि अगर बात कहानी और क्रिएटिविटी की हो तो टीवी इस समय फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है। हालांकि, चाहत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने रोहित का पूरा इंटरव्यू नहीं देखा है, इसलिए वह उनके पूरे बयान पर कमेंट नहीं करना चाहतीं। चाहत ने कहा, मैं खुद टीवी से आई हूं और इस माध्यम की बहुत इज्जत करती हूं। टीवी ने मुझे एक एक्टर के तौर पर मजबूत बनाया है। यहां एक्टर्स को लंबे समय तक लगातार शूटिंग करनी पड़ती है। कई बार 12 से 15 घंटे तक शूट करना सामान्य बात लगती है। फिल्मों में काम करने का तरीका अलग है और वहां तरह से ट्रीट क्रिएटिविटी को अलग किया जाता है। ओटीटी में भी कहानी की डिटेलिंग और क्रिएटिविटी का तरीका टीवी से काफी अलग है।

एक्ट्रेस ने रोहित रॉय की बात के उस हिस्से से सहमति जताई, जिसमें उन्होंने टीवी के मौजूदा कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। चाहत ने कहा, अगर कहानी और क्रिएटिविटी की बात की जाए तो टीवी को अभी काफी आगे जाने की जरूरत है। टीवी का कंटेंट मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। दर्शक जिस तरह की कहानियां और शोज देखना चाहते हैं, मेकर्स भी उसी डिमांड के हिसाब से कंटेंट बनाते हैं। यह पूरी तरह बिजनेस का हिस्सा है। अगर किसी तरह का कंटेंट बड़ी संख्या में लोग देख रहे हैं, तो उसे बार-बार बनाए जाने के पीछे एक मार्केट डिमांड भी होती है।

## टीवी पर करेंगी वापसी रश्मि देसाई, बोलीं- कमबैक नहीं, एक मकसद की तलाश थी

उतरन में तपस्या के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई एक लंबे ब्रेक के बाद फिर छोटे पर्दे पर लौटने के लिए तैयार हैं। वह करीब आठ साल से फिक्शन टीवी से दूर थीं। इस दौरान उन्हें कई शोज के ऑफर मिले, लेकिन वह हर कहानी के साथ जुड़ाव महसूस नहीं कर पाईं और कई प्रोजेक्ट्स को मना कर दिया।

अब रश्मि को ऐसी कहानी और किरदार मिला है, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। अभिनेत्री जल्द ही नए शो सयोनी में माया का किरदार निभाती नजर आएंगी। रश्मि ने कहा, इन सालों में मैं टीवी पर वापस आने के लिए किसी अच्छे प्रोजेक्ट का इंतजार कर रही थी। मैं ऐसा काम करना चाहती थी, जिसके पीछे कोई वजह और मकसद हो।

एक कलाकार के लिए लगातार स्क्रीन पर दिखाई देना ही सबसे जरूरी चीज नहीं है। मेरे लिए कहानी और किरदार का मजबूत होना ज्यादा मायने रखता है। इसी वजह से मैंने कई ऑफर मिलने के बावजूद जल्दबाजी में किसी शो का हिस्सा बनने से परहेज किया। सयोनी में अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने कहा, माया मेरे लिए सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है।

वह एक बहुत ही प्रैक्टिकल और जमीन से जुड़ा किरदार है। जब यह कहानी और किरदार मेरे सामने आए, तो मुझे इसमें वह जुड़ाव महसूस हुआ, जिसका मैं इतने समय से इंतजार कर रही थी। रश्मि ने अपने टीवी कमबैक को लेकर कहा, मैं टीवी पर कमबैक नहीं, बल्कि एक मकसद तलाश रही थी। एक कलाकार के तौर पर हमें कई मौके मिलते हैं, लेकिन सिर्फ दिखाई देना, काम करना और पैसे कमाना जरूरी नहीं है।

## स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकता है केसर बादाम का दूध, जानिए इसके 5 फायदे

केसर बादाम के दूध का सेवन करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है और यह कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद केसर और बादाम के कारण इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। केसर बादाम दूध का सेवन सभी उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है। इस लेख में हम केसर बादाम के दूध के कुछ स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानेंगे, जो आपके जीवनशैली को और बेहतर बना सकते हैं।

### पाचन को बेहतर बनाने में सहायक

केसर बादाम दूध का सेवन पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। इसमें मौजूद केसर और बादाम पाचन के लिए जरूरी तत्वों को सक्रिय करते हैं, जिससे खाना सही तरीके से पचता है। इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर भी पाचन प्रक्रिया को सुधारने में मदद करता है। इस पेय का नियमित सेवन कब्ज, पेट की समस्याओं और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

### दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

दिल के लिए भी केसर बादाम दूध का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद अच्छे वसा दिल की बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित रखने में सहायक हैं।

नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से दिल की समस्याओं का

खतरा भी कम हो सकता है।

### शरीर की सुरक्षा को बढ़ावा देने में प्रभावी

केसर बादाम दूध शरीर की सुरक्षा को बढ़ावा देने में भी मददगार हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है।

इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-सी और विटामिन-ई भी प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देते हैं। नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आप स्वस्थ रह सकते हैं और बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

### मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी केसर बादाम दूध फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें मौजूद केसर तनाव और उदासी जैसी मानसिक समस्याओं को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद खनिज मस्तिष्क की कार्यक्षमता को सुधारने में सहायक होते हैं। नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आप मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

### त्वचा और बालों की देखभाल के लिए अच्छा

केसर बादाम दूध त्वचा और बालों की देखभाल के लिए भी अच्छा माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन-ई त्वचा को नमी प्रदान करता है और झुर्रियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-ए बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उन्हें झड़ने से रोकता है।

नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आपकी त्वचा और बाल स्वस्थ रहते हैं।

## छत्तीसगढ़ में सरकारी भर्ती नियमों में बड़ा बदलाव, एसआई से सिपाही और लैब पदों तक तय हुई योग्यता

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल अधिनियम, 2026 के तहत भर्ती नियमों में व्यापक संशोधन किया है। नए प्रावधानों में अलग-अलग विभागों और संवर्गों के पदों के लिए शैक्षणिक, तकनीकी और शारीरिक योग्यता को अधिक स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है।

संशोधित नियमों में खाद्य एवं औषधि प्रशासन, गृह (पुलिस), जेल, विधि और राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला समेत कई विभागों के पदों को शामिल किया गया है। इससे आगामी भर्ती परीक्षाओं में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को संबंधित पद की निर्धारित योग्यता पूरी करना अनिवार्य होगा।

## तारा कोल ब्लॉक पर गरमाई सियासत, भूपेश बघेल ने सीएम साय को दी खुली बहस की चुनौती

रायपुर,(आरएनएस)। तारा कोल ब्लॉक की नीलामी और स्वीकृति को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। अंबिकापुर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को तारा कोल ब्लॉक के मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती दी है।

भूपेश बघेल ने कहा कि मीडिया के सामने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वे आमने-सामने बैठकर तारा कोल माइंस की स्वीकृति और नीलामी को लेकर बहस कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बहस के दौरान यह स्पष्ट हो जाएगा कि तारा कोल ब्लॉक को लेकर किस सरकार ने क्या निर्णय लिया और किस स्तर पर स्वीकृति दी गई।भूपेश बघेल ने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर उनकी और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के बीच प्रेस क्लब में खुली बहस हुई थी, उसी तरह अब तारा कोल माइंस के मुद्दे पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ बहस करने के लिए वे तैयार हैं। पीएम आवास योजना को लेकर बघेल और विजय शर्मा के बीच हाल ही में रायपुर प्रेस क्लब में लंबी बहस हुई थी।

## सोलर प्लांटों से 6500 मीटर केबल चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश, कबाड़ी समेत 4 गिरफ्तार

बलौदाबाजार-भाटापारा, (आरएनएस)। सिमगा क्षेत्र के दो सोलर पावर प्लांटों से हजारों मीटर केबल वायर चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले तिल्दा के एक कबाड़ी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से जला हुआ तांबा व केबल वायर, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, औजार और मोबाइल समेत करीब 1 लाख 32 हजार 700 रुपये का सामान बरामद किया गया है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार सिमगा क्षेत्र के चौरेंगा स्थित हरे कृष्णा पावर प्लांट में बाउंड्री वॉल की फेंसिंग काटकर चोर अंदर घुसे और करीब 1500 मीटर इन्वर्टर केबल वायर चोरी कर ले गए थे। इस मामले में प्लांट इंचार्ज लक्ष्मण प्रसाद शुक्ला की शिकायत पर थाना सिमगा में अपराध क्रमांक 355/2026 दर्ज किया गया था। इसी तरह ग्राम चंदेरी स्थित सूर्योदय वायर सोलर पावर प्लांट में भी फेंसिंग काटकर चोरों ने प्रवेश किया और करीब 5000 मीटर डीसी केबल वायर पार कर दिया। प्लांट मैनेजर दुर्गेश कुमार की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 381/2026 दर्ज कर जांच शुरू की।दोनों वारदातों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में सिमगा पुलिस ने विशेष टीम गठित की।

# 19 को भारी बारीश के आसार, बनेगा तीन सिस्टम

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में फिलहाल मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर मौसम शुष्क रहा, जबकि एक-दो स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि, अब 19 सितंबर से प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

**19 सितंबर से बढ़ेगा बारिश का दायरा**

मौसम विभाग के 7 दिन के पूर्वानुमान के मुताबिक 17 और 18 सितंबर को प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात की भी संभावना जताई गई है। 19 सितंबर से बारिश का दायरा बढ़कर अनेक स्थानों तक पहुंच सकता है। 20 सितंबर को प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। वहीं एक-दो स्थानों पर भारी बारिश और गरज-चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है। 21 और 22 सितंबर को भी अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन की संभावना से इनकार किया है। 16 सितंबर को रायपुर में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने का अनुमान था।

# पीएम मोदी-किरण देव के जन्मदिन पर संजय मार्केट में महाभंडारा का आयोजन

जगदलपुर (ए.)। विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार, 17 सितंबर को शहर के संजय मार्केट में महाभंडारे का आयोजन किया गया।आयोजन में बड़ी संख्या में शहरवासियों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां दंतेश्वरी और भगवान विश्वकर्मा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद महाभंडारे का शुभारंभ किया गया। आयोजकों के अनुसार, दिनभर चले भंडारे में हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

महाभंडारे में महापौर संजय पांडे, जिला भाजपा अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, विद्याशरण तिवारी, आयुषि सिंहदेव, रजनीश पानीग्राही, सहित परेश बेसरा, आरेंद्र सिंह, रामाश्रय सिंह, गोविंद ईनाणी, आशुतोष पाण्डेय, श्रीपाल जैन, नीटू भदौरिया, मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, महिला मोर्चा अध्यक्ष महेश्वरी ठाकुर, योगेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

## कृषि अधिकारी निलंबितः बिना सूचना लंबे समय से थे अनुपस्थित, किसानों से जुड़े काम प्रभावित होने की शिकायत

कोरबा (आरएनएस)। कटघोरा कृषि विभाग में पदस्थ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी देवशरण पैकरा को लंबे समय तक बिना सूचना और स्वीकृत अवकाश के कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित रहने के मामले में निलंबित कर दिया गया है। उप संचालक कृषि, जिला कोरबा ने 15 सितंबर 2026 को निलंबन आदेश जारी किया है।

विभागीय आदेश के अनुसार, देवशरण पैकरा कटघोरा और जेंजरा क्षेत्र में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। आदेश में कहा गया है कि वे 1 अगस्त 2026 से बिना सूचना और स्वीकृत अवकाश के कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित थे।

विभाग ने अधिकारी की अनुपस्थिति को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम 3 का उल्लंघन माना है। विभागीय पत्राचार और अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव के आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1) के तहत निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान देवशरण पैकरा का मुख्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा कार्यालय निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

## चांपा में पहली बार महिला कमांडो का गठन, नशे के खिलाफ पुलिस ने चलाया जनजागरुकता अभियान

जांजगीर-चांपा, (आरएनएस)। नशे के दुष्प्रभावों और अवैध नशे के कारोबार से लोगों को दूर रखने के उद्देश्य से चांपा पुलिस ने मेहंदीपारा में आज गुरुवार को विशेष जनजागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में नगरीय क्षेत्र में पहली बार महिला कमांडो दल का गठन किया गया। इसके साथ ही मेहंदीपारा और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका चांपा अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, उपाध्यक्ष अमरदीप खटकर, चांपा सेवा संस्थान के पुरुषोत्तम शर्मा, पार्षद, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी शामिल हुए। इस दौरान पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उन्हें नशे के सेवन और अवैध कारोबार से दूर रहने के लिए जागरूक किया। लोगों से परिवार और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। पुलिस ने कहा कि नशे के कारण परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को रोकने के लिए पुलिस के साथ समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। नागरिकों से नशे के अवैध कारोबार की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने और युवाओं को नशे से दूर रखने में सहयोग करने की अपील की गई।जांजगीर-चांपा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से महिला कमांडो का गठन किया जा चुका है। इसी क्रम में अब शहरी क्षेत्र में पहली बार महिला कमांडो दल का गठन किया गया। महिला कमांडो और स्थानीय नागरिकों ने मेहंदीपारा एवं आसपास के इलाकों में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता का संदेश दिया।

## जिला अस्पताल की डायलिसिस सुविधा बनी मरीजों के लिए वरदान

बलरामपुर, (आरएनएस)। जिले के किडनी रोगियों के लिए जिला चिकित्सालय बलरामपुर में वर्ष 2022 से संचालित डायलिसिस सुविधा बड़ी राहत साबित हो रही है। पहले डायलिसिस कराने के लिए मरीजों और उनके परिजनों को अंबिकापुर अथवा झारखंड के डाल्टनगंज तक जाना पड़ता था, लेकिन अब जिला अस्पताल में ही यह सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को लंबी दूरी तय करने और अतिरिक्त खर्च से राहत मिली है।

जिला चिकित्सालय में वर्तमान में पांच डायलिसिस मशीनों के माध्यम से मरीजों को नियमित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां प्रतिमाह करीब 220 से 240 डायलिसिस सेशन किए जा रहे हैं, जबकि प्रतिदिन औसतन 8 से 10 मरीजों का डायलिसिस किया जाता है। जिले के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से भी मरीज उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। डायलिसिस टेक्नीशियन विजय ठाकुर ने बताया कि मरीजों की सुविधा को देखते हुए सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। नियमित डायलिसिस की आवश्यकता वाले मरीजों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार उपचार दिया जाता है, जिससे उन्हें बाहर के शहरों में जाने की आवश्यकता कम हुई है।

# खेल समाचार

# एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पर भारत-पाकिस्तान आमने-सामने, पाक ने मांगा न्यूट्रल वेन्यू; हॉकी इंडिया ने कहा- खेलना है तो भारत आना होगा

नई दिल्ली (ए.)। भारत में होने वाली 2026 पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत और पाकिस्तान के हॉकी संघ आमने-सामने आ गए हैं। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (PHF) ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट को भारत से बाहर कराने या अपने मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की मांग की है। हालांकि, हॉकी इंडिया ने इस मांग को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल में कोई बदलाव नहीं होगा और पाकिस्तान को टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है तो उसे भारत आना होगा। 2026 पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 27 अक्टूबर से मोहाली में प्रस्तावित है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने एशियन हॉकी फेडरेशन (AHF) से टूर्नामेंट को भारत से बाहर कराने अथवा पाकिस्तान के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर कराने का अनुरोध किया है। PHF अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने आधिकारिक तौर पर इस मांग की पुष्टि की है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा संवेदनशील संबंधों को देखते हुए उसकी टीम

और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। इसी आधार पर फेडरेशन ने टूर्नामेंट के वेन्यू में बदलाव या पाकिस्तान के मैचों को न्यूट्रल स्थान पर कराने की मांग की है।हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने पीटीआई से बातचीत में पाकिस्तान की मांग पर अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। उनके मुताबिक, पाकिस्तान को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेना है तो उसे भारत आना होगा।पाकिस्तान के भारत आने से इनकार करने की स्थिति में हॉकी इंडिया ने वैकल्पिक योजना भी तैयार रखी है। भोला नाथ सिंह के अनुसार, पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश या ओमान में से किसी एक टीम को टूर्नामेंट में शामिल किया जा सकता है। इससे पाकिस्तान के हटने की स्थिति में प्रतियोगिता के आयोजन पर बड़ा असर पड़ने की संभावना कम होगी।इस पूरे घटनाक्रम के बीच पाकिस्तान की हॉकी टीम की भारत यात्रा को लेकर एक और पेच सामने आया है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि टीम को भारत आने के लिए अभी तक अपनी सरकार से मंजूरी नहीं मिली है।यह स्थिति पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के पहले दिए गए बयान से अलग है। मान ने कहा था कि पाकिस्तान एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगा।

## बांग्लादेश और नेपाल के बीच पहली बार खेली जाएगी द्विपक्षीय टी-20 सीरीज, जानिए पूरी जानकारी

नईदिल्ली (ए.)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम अगले साल मार्च में नेपाल का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। सभी मुकाबले काठमांडू में होंगे और पहला मैच 26 मार्च को खेला जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बयान के अनुसार, यह सीरीज नेपाल में हाल ही में आई बाढ़ के पीड़ितों को समर्पित होगी। दोनों पुरुष टीमों के बीच यह पहली द्विपक्षीय सीरीज होगी। साथ ही बांग्लादेश पहली बार नेपाल का दौरा करेगा।

26 अगस्त को चीन की सीमा से लगे नेपाल के उत्तरी हिस्से में हिमस्खलन से भारी तबाही हुई। इसके बाद आई बाढ़ में 1,000 से अधिक लोगों की जान चली गई, जबकि 5,000 से ज्यादा लोग लापता हो गए।

बांग्लादेश के खेल मंत्री अमिनुल हक और बांग्लादेश में नेपाल के राजदूत घनश्याम भंडारी के बीच हुई चर्चा में सीरीज को लेकर बातचीत हुई।भंडारी ने बीसीबी का भी दौरा किया, जहां उन्होंने बोर्ड के अध्यक्ष तमीम इकबाल से मुलाकात की। बीसीबी ने कहा कि 3 मैचों की यह सीरीज दोनों देशों को क्रिकेट के जरिए एकजुट होने का मौका देगी।साथ ही, यह मुश्किल समय में दोस्ती और एकजुटता का संदेश देने का माध्यम बनेगी। आगामी सीरीज दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जा रही है। इससे पहले बांग्लादेश और नेपाल की पुरुष टीमें 2014 और 2024 के इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल टी-20 विश्व कप में 2 बार आमने-सामने हुई थीं। बांग्लादेश और नेपाल के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। सीरीज के आखिरी 2 मुकाबले 28 और 30 मार्च को खेले जाएंगे।

# इंटर मियामी के लिए 100 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने मेसी, क्लब ने 'कैम्पियोन्स कप' का खिताब जीता

मियामी(ए.)। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के लिए खेलते हुए अपना 100वां गोल पूरा किया। मेसी के इस गोल से इंटर मियामी ने लीगा एमएक्स की टीम क्रूज अजुल को 2-0 से हराकर कैंपियोन्स कप जीता। मेसी ने 24वें मिनट में गोल किया, जिसके बाद कासेमिरो ने दूसरे हाफ में हेडर से गोल करके जीत पक्की कर दी। मेसी ने लुइस सुआरेज से मिले एक सटीक क्रॉस गेंद को बॉक्स के अंदर डाल दिया। इसके बाद मेसी ने दूसरे गोल में अहम भूमिका निभाई, 81वें मिनट में बाईं ओर से कॉर्नर दिया। केसेमिरो ने डिफेंडरों के ऊपर से निकलकर हेडर से बॉल को गोल में डाला और बढ़त को दोगुना कर दिया। क्रूज अजुल के पास छठे मिनट में एक शुरुआती मौका था, लेकिन इंटर मियामी के गोलकीपर डेन सेंट क्लेयर ने जोस पैराडेला को रोकने के लिए एक शानदार बचाव किया। इसके बाद क्रूज अजुल को गोल का मौका नहीं मिला और टीम को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से नए हेड कोच क्रिस्टियन गोंजालेज का भी विजयी डेब्यू हुआ, जिन्होंने चैंपियनशिप मैच में पहली बार इंटर मियामी की कमान संभाली।अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी इंटर मियामी के इतिहास में 100 गोल तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 115 मैच खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। क्लब के लिए मेसी के 100 गोल चार सीजन में हुए हैं। उन्होंने 2023 में 11 गोल किए, उसके बाद 2024 में 23 और 2025 में 43 गोल किए। 2026 में अब तक वह 23 गोल कर चुके हैं।मेसी शुरू में 2023 की गर्मियों में साउथ फ्लोरिडा आए थे, जिससे क्लब के लिए सफलता का दौर शुरू हुआ। उन्होंने इंटर मियामी को 2023 लीग कप, 2024 एमएलएस सपोर्टर्स शील्ड, 2025 ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब और 2025 एमएलएस कप जीतकर उसकी ऐतिहासिक पहली चार ट्रॉफियां दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

## पहली बार आकिब नबी और नमन धीर को मिला वनडे टीम में मौका, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच 27 सितंबर से 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी टीम घोषित कर दी है। पहली बार तेज गेंदबाज आकिब नबी और ऑलराउंडर नमन धीर को वनडे टीम में जगह मिली है। नबी भी निचले क्रम में बल्लेबाजी कर लेते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं घरेलू क्रिकेट में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन कैसा रहा है।नमन घरेलू क्रिकेट पंजाब के लिए खेलते हैं। वह इंडिया-ए के लिए भी खेल चुके हैं। 26 साल के इस खिलाड़ी ने अब तक 14 लिस्ट-ए मुकाबले खेले हैं। इसकी 11 पारियों में 2 बार नाबाद रहते हुए 39 की औसत से 351 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 4 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 97 रन रहा है।नबी घरेलू क्रिकेट में जम्मू-कश्मीर के लिए खेलते हैं। 29 साल के इस खिलाड़ी ने अब तक 36 लिस्ट-ए मुकाबले खेले हैं। इसकी 36 पारियों में 27.37 की औसत से 56 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल अपने नाम किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/39 का रहा है। इस खिलाड़ी ने 30 पारियों में 572 रन भी बनाए हैं। उनके बल्ले से एक शतक निकला है और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 114* रन है।

## भारत बनाम वेस्टइंडीजः वनडे में एक-दूसरे के खिलाफ कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए आंकड़े

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच 27 सितंबर से 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। दोनों टीमों के बीच आखिरी वनडे सीरीज साल 2023 में खेली गई थी। उस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-1 से अपने नाम किया था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत आगामी सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक बार फिर उम्दा प्रदर्शन करना चाहेगी। आइए इन दोनों टीमों के बीच वनडे क्रिकेट के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।वनडे क्रिकेट के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक 142 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 72 मैच जीते हैं।वहीं, वेस्टइंडीज को 64 मुकाबलों में जीत मिली है। 4 मैच बेनतीजा रहे हैं, जबकि 2 मुकाबले टाई पर समाप्त हुए हैं।दोनों टीमों के बीच हुए आखिरी 5 वनडे मुकाबलों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। उसे 4 मैचों में जीत मिली है, जबकि वेस्टइंडीज सिर्फ एक मुकाबला जीत पाई है।दोनों टीमें कुल 24 द्विपक्षीय वनडे सीरीज में आमने-सामने हुई हैं। इनमें से 16 सीरीज भारतीय टीम ने जीती हैं, जबकि 8 सीरीज वेस्टइंडीज ने अपने नाम की हैं।भारत में दोनों टीमों के बीच 13 वनडे सीरीज खेली गई हैं। भारतीय टीम ने 9 सीरीज जीती हैं, जबकि वेस्टइंडीज को 4 में जीत मिली है।वेस्टइंडीज ने आखिरी बार भारत में साल 2002 में वनडे सीरीज जीती थी।वेस्टइंडीज के खिलाफ सर्वाधिक रन वाले भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हैं। उन्होंने इस टीम के विरुद्ध 41 पारियों में 66.05 की औसत के साथ 2,261 रन (शतक-9) बनाए हैं।

रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 35 पारियों में 57.6 की औसत से 1,613 रन (शतक-3) बनाए हैं।

## भारतीय जूडो खिलाड़ी जापान में ले रहे प्रशिक्षण, साई की पहल पर दो अक्टूबर तक चलेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय पुरुष और महिला जूडो टीम के खिलाड़ियों को 2026 के एशियाई खेलों और विश्व जूडो चैंपियनशिप की तैयारियों के लिए जापान में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का अवसर मिला है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं) की पहल के तहत जापान की त्सुकुबा यूनिवर्सिटी में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो अक्टूबर तक चलेगा। दल में 11 जूडो खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें एक पुरुष और 10 महिला खिलाड़ी हैं। इनके अलावा तीन कोच भी दल का हिस्सा हैं।11 खिलाड़ियों में से तीन खिलाड़ी एशियाई खेलों की भारतीय टीम में शामिल हैं। इनमें महिला 48 किलोग्राम वर्ग की अस्मिता डे, 57 किलोग्राम वर्ग की यामिनी मौर्य और 70 किलोग्राम वर्ग की तखेल्लंबम इनुंगनबी शामिल हैं। अस्मिता 30 सितंबर को मुकाबले में उतरेंगी, जबकि यामिनी और इनुंगनबी एक अक्टूबर को नागोया के आइची इंटरनेशनल एरीना में मैट पर उतरेंगी। जापान में यह विदेशी प्रशिक्षण शिविर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के बेहद महत्वपूर्ण चरण में आयोजित किया जा रहा है।

## सेवा संकल्प अभियान 2026

# सेवा संकल्प अभियान के तहत नर्मदापुरम के नर्मदा घाटों पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

### जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया श्रमदान

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष सेवाकाल पूर्ण होने तथा जन्मदिवस के अवसर पर संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को नर्मदापुरम में माँ नर्मदा के सेठानी घाट, पर्यटन घाट और विवेकानंद घाट समेत अन्य प्रमुख घाटों पर विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान व्यापक स्तर पर घाटों की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। अभियान में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक समितियों, जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर श्रमदान किया।अभियान के दौरान राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया और नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव ने स्वामी विवेकानंद घाट पर श्रमदान किया।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों के साथ मिलकर घाट पर जमा कचरा हटाकर साफ-सफाई की तथा नागरिकों से जीवनदायिनी माँ नर्मदा के घाटों को स्वच्छ रखने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान सेठानी घाट पर अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले और मुख्य नगरपालिका अधिकारी अरुण देशमुख सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने माँ नर्मदा और उनके घाटों को सदैव स्वच्छ रखने की शपथ ली।

# खुलेआम शहर में और सड़कों पर सट्टे के कारोबारी भारी पड़ रहे पुलिस वालों पर

## थाने से चंद दूरी पर सरेआम दिन दहाड़े चल रहा सट्टे का कारोबार

नर्मदापुरम (निप्र)। सिटी कोतवाली से चंद कदम दूरी पर पुराने बजरिया स्कूल स्टेडियम के कोने के पास पान के टपरे के समीप सरेआम सटोरिये पुलिस के लिए चुनौती बने हुए हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि कुछ समय के लिए पुलिस ने यहां का सट्टा बंद कर दिया था। लेकिन ऐसी क्या बात हो गई कि फिर से सट्टा प्रारंभ हो गया है। इसके साथ ही इमली के नीचे पान वाली गली में चाय की दुकान की आड़ में भी पर्दा लगाकर सट्टे का कारोबार जमकर जारी है। ऐसा बताया जाता है कि पुलिस वालों का यहां आना जाना लगा रहता है। वही भी काफी चर्चा का विषय है। लेकिन इतना जरूर है कि शहर के अनेक स्थानों पर सट्टा नासूर बना हुआ है। इन सटोरियों के कारण श्रमिक वर्ग तथा उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है। इसी तरह का सट्टे का कारोबार ग्वालटोली में भी जमकर चल रहा था जिस पर ग्वाल समाज के जागरूक नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर सट्टे पर रोक लगाने की मांग की थी। लेकिन कुछ सटोरिये अभी भी पुलिस पर भारी पड़ रहे हैं। आदमगढ़ क्षेत्र में भी गली कूचे में सटोरियों की पौ बाहर है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या पुलिस प्रशासन ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए प्रयास करेगा? या ऐसा ही चलता रहेगा? सटोरियों को छूट दी जाती रहेगी?

### खुलेआम लिखी जा रही हैं पर्चियां

बाजार क्षेत्र में अनेक स्थानों पर खुलेआम सट्टे की पर्चियां लिखी जा रही हैं। जिन पर पुलिस का सिकंजा कसा जाना आवश्यक है। ऐसा बताया जा रहा है कि इस संबंध में ग्वालटोली सहित कुछ अन्य नागरिक सट्टा की गतिविधि बंद कराने के लिए एसपी आईजी से मिलने वाले हैं।

### पुलिस से नहीं डर रहे खाईबाज

देखने में आता है कि अनेक खाईबाज अपनी मनमानी करते हुए वर्षों से सट्टे के खेल में मगरूर हैं उन पर पुलिस का कोई खौफ या डर नहीं रहता है। क्योंकि इन सटोरियों का ऐसा मानना है कि उन्हें पुलिस को मनाना आता है। देखने में आता है कि पुलिस भी शांत हो जाती है।

### पुलिस अधिकारियों को लेना चाहिए एक्शन

पुलिस को बदनाम करने वाले इन सटोरियों को अच्छे से सबक सिखाने के लिए दूसरी बीट के पुलिस वालों को तैनात करके इन पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए जिससे प्रतिदिन मजदूरी करके जैसे तैसे घर चलाने वाले मजदूरों के परिवार सही तरीके से गुजर बसर कर सकें।

### लगा रहता है सट्टा लगाने वालों का तांता

उपरोक्त स्थानों पर देखने में आता है कि सट्टे वाले दिन कई घंटो तक सट्टा लगाने वालों का तांता लगा रहता है। इस तरह की अवैधानिक गतिविधि से अनेक युवा और किशोर उम्र के बच्चे भी सट्टे लगाने की आदि हो रहे हैं। जिनके भविष्य पर विपरीत असर पड़ने की संभावना है।

# स्व.प्रशांत दुबे में एक अच्छे पत्रकार और पत्रिकारिता के अच्छे गुण विद्यमान थे : बलराम शर्मा

### पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रशांत दुबे की एक अलग ही पहचान रही है : प्रफुल्ल तिवारी

### नर्मदांचल पत्रकार संघ सदस्यों ने स्व. प्रशांत दुबे की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदांचल पत्रकार संघ द्वारा स्व. प्रशांत दुबे चौक (पीपल चौक) स्थित पत्रकार भवन में वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय प्रशांत दुबे की चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारों एवं उपस्थित नागरिकों ने स्वर्गीय प्रशांत दुबे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व और पत्रकारिता के क्षेत्र में किए गए योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की । कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार नर्मदांचल पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष बलराम शर्मा ने स्वर्गीय प्रशांत दुबे के साथ बिताए संस्मरण साझा करते हुए कहा कि स्व. प्रशांत दुबे में एक अच्छे पत्रकार और पत्रकारिता के उच्च मापदंड वाले गुण समाहित थे। उनकी याद में पत्रकार स्मृति भवन बनना संगठन की उपलब्धि है। उनके सरल सहज एवं मिलनसार व्यक्तित्व से हर कोई प्रभावित रहा है। संघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी ने कहा कि स्वर्गीय प्रशांत दुबे ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनके द्वारा किए गए कार्य और पत्रकारिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने कहा कि पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम उनके प्रति सम्मान और उनकी स्मृतियों को जीवंत रखने का माध्यम है। इस मौके पर पत्रकार राजेश तिवारी पंकज शुक्ला, विपिन महंत, विजय कुंभारे मनोज सोनी, एनडी दीक्षित, प्रदीप गुप्ता, पुरुषोत्तम मालवीय कमलेश चौधरी, हेमंत, कन्हैया, गोविंद चौधरी गोलू अवस्थी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

# सेवा संकल्प अभियानः सिवनी मालवा बस स्टैंड पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

### विधायक सहित नपाध्यक्ष, एसडीएम ने किया श्रमदान

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष सेवाकाल पूर्ण होने तथा जन्मदिवस के अवसर पर संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सिवनी मालवा बस स्टैंड परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।अभियान में विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने स्वयं साफ-सफाई कर श्रमदान किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों के साथ मिलकर बस स्टैंड परिसर में जमा कचरा और गंदगी हटाई तथा सार्वजनिक स्थल को स्वच्छ बनाने में सहभागिता की।विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने कहा कि स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान के दौरान विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा।उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखें और स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से सिवनी मालवा को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में मदद मिलेगी।

# संतान सप्तमी पर महिलाओं ने की शिव-पार्वती की पूजा

नर्मदापुरम (निप्र)। भाद्रपद मास की सप्तमी तिथि पर महिलाओं ने श्रद्धा के साथ संतान सप्तमी का व्रत रखा। दिनभर अन्न-जल का त्याग कर

दोपहर बाद भगवान शिवए माता पार्वती और भगवान सूर्य की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा संतान की दीर्घायु अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना की। गौर कॉलोनी स्थित गणेश पंडाल में महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजन किया। इस अवसर पर निर्मला राठौर ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार संतान सप्तमी का व्रत करने से संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और कष्टों से मुक्ति की कामना पूर्ण होती है। इसी आस्था के साथ विवाहित महिलाएं यह व्रत श्रद्धापूर्वक करती हैं।

# मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने स्वामित्व निष्पादन एवं पंजीयन प्रक्रिया का लिया जायजा हितग्राहियों से की चर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने जिले के भ्रमण के दौरान स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026 के तहत संचालित पंजीयन प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित हितग्राहियों से चर्चा कर योजना के क्रियान्वयन एवं पंजीयन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। मुख्य सचिव ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना की हितग्राही श्रीमती पार्वती बाई के पंजीयन की पूरी प्रक्रिया को स्वयं देखा। उन्होंने पंजीयन प्रक्रिया में गवाह के रूप में उपस्थित नरेंद्र चौरे एवं गिरधारी चौरे से भी चर्चा की तथा पंजीयन की प्रक्रिया और इसमें लगने वाले आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात मुख्य सचिव ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र,

पांजरा कलां का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध निरीक्षण पंजीयों का अवलोकन किया तथा स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं एवं केंद्र की व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।मुख्य सचिव ग्राम पंचायत निमसाड़िया भी पहुंचे। यहां उन्होंने स्वामित्व निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026 के तहत चल रही प्रक्रिया की जानकारी ली और उपस्थित अधिकारियों से अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने लोक सेवा उपकेंद्र के संचालक से भी चर्चा कर नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं तथा कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने योजनाओं के मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन, हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने तथा नागरिकों को शासकीय सेवाओं की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक जानकारी ली।

# सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला अस्पताल में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

### कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रक्तदाताओं से चर्चा कर किया प्रोत्साहित

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने तथा उनके जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को जिला चिकित्सालय, नर्मदापुरम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं से चर्चा की तथा उन्हें रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिविर में रक्तदाताओं के पंजीयन की स्थिति की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन भी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं पौध भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

# सेवा संकल्प अभियान के तहत सांडिया नर्मदा सीताराम घाट पर चला स्वच्छता अभियान

### विधायक ठाकुरदास नागवंशी सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने किया श्रमदान

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्ष सेवाकाल एवं जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान का संचालन किया जा रहा है। अभियान के तहत पिपरिया क्षेत्र में विभिन्न जनभागीदारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जनपद पंचायत पिपरिया द्वारा सांडिया स्थित नर्मदा सीताराम घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।स्वच्छता अभियान में विधायक ठाकुरदास नागवंशी सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए श्रमदान किया। अभियान के दौरान सभी ने मिलकर घाट एवं उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई की तथा लगभग दो ट्रॉली कचरा एकत्रित कर उसका निस्तारण कराया।अभियान के दौरान घाट किनारे बिखरी पूजन सामग्री, पॉलिथीन, कपड़े एवं अन्य अपशिष्ट को हटाया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्वयं श्रमदान करते हुए नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने कहा कि पवित्र मां नर्मदा नदी को स्वच्छ रखना हम सभी का धर्म और सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से नर्मदा घाटों को स्वच्छ रखने, नदी में कचरा एवं पूजन सामग्री न डालने तथा स्वच्छता के लिए मिलकर प्रयास करने की अपील की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीना नागपाल, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता पटेल, सोशल वर्कर श्रीमती मीरा गढ़वाल, तहसीलदार वैभव बैरागी, नायब तहसीलदार नीरज बैंस, नोडल अधिकारी श्रीमती दीपिका लाहौरिया, राम लल्लू सिंह जनपद, सरपंच रामजी दीखत, सुलभ गोयदानी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में स्प्रिंगडेल्स स्कूल के खिलाड़ियों का शानदार चयन

### खेल प्रतिभाओं ने रचा गौरव का नया अध्याय

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा मेहनत और निरंतर अभ्यास के दम पर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के बास्केटबॉल बैडमिंटन कराते एवं शतरंज के खिलाड़ियों का विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।विद्यालय के प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिव्यांश गौर वर्ष 17 का राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 19 सितंबर 2026 तक शहडोल में किया जाएगा। बैडमिंटन में विद्यालय के हर्षित इसके .19 वर्ष एवं श्रीहन फसाते 14 का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

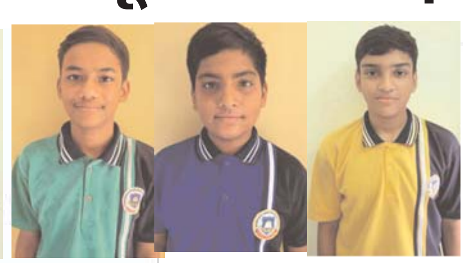

14 वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 20 सितंबर 2026 तक सागर में तथा.19 वर्ष प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 4 दिसंबर 2026 तक नर्मदापुरम में किया जाएगा।कराते में हिमांशु राय 17 वर्ष एवं हर्ष साहू 14 वर्ष ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है। 14 वर्ष प्रतियोगिता 1 से 5 नवंबर 2026 तक छिंदवाड़ा में तथा 17 वर्ष प्रतियोगिता 2 से 5 नवंबर 2026 तक इंदौर में आयोजित होगी। शतरंज में विद्यालय के आराध्य शर्मा वर्ष.17 का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 26 से 30 सितंबर 2026 तक सीहोर में आयोजित की जाएगी। डायरेक्टर डॉ आशीष चटर्जी ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं बल्कि जीवन में अनुशासन धैर्य आत्मविश्वास और नेतृत्व विकसित करने का सशक्त माध्यम है। हमारे विद्यार्थियों का राज्य स्तर तक पहुँचना उनके समर्पण और निरंतर मेहनत का प्रमाण है। हमें विश्वास है कि ये खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं नर्मदापुरम का गौरव बढ़ाएँगे।वहीं प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा विद्यार्थियों का विभिन्न खेलों में राज्य स्तर पर चयन होना अत्यंत गर्व की बात है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ.साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मैं सभी चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ। समस्त शिक्षकगण ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

# प्रेरणा कॉन्वेंट इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मिट्टी के गणेश जी बनाने की प्रतियोगिता आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रेरणा कॉन्वेंट इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भगवान श्री गणेश के प्रति श्रद्धा एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से मिट्टी से गणेश जी की प्रतिमा बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लिया। बच्चों ने प्रकृति के अनुकूल एवं पर्यावरण.हितैषी मिट्टी के सुंदर गणेश जी की प्रतिमाएँ तैयार कीं। विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई आकर्षक प्रतिमाओं में उनकी कला कल्पनाशक्ति और भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा स्पष्ट रूप से दिखाई दी।इस अवसर पर विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि हमें त्योहारों को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाने के साथ-साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाएँ पर्यावरण के लिए सुरक्षित होती हैं और हमें स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने की प्रेरणा देती हैं।

विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता को इसी प्रकार प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया।यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए न केवल अपनी कला प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर बनी बल्कि पर्यावरण बचाएँ प्रकृति के अनुकूल त्योहार मनाएँ का सुंदर संदेश भी प्रदान कर गई।


## कार्यालय कलेक्टर जिला नर्मदापुरम

**क्रमांक/I/1268964/2026/नाजरात** **नर्मदापुरम दिनांक 03/09/2026**

**शासकीय कार्य एवं सत्कार व्यवस्था हेतु कमर्शियल वाहन किराये के आधार पर लेने हेतु स्थानीय एजेंसियों से ई-निविदा**

**भाग-01**

ई-निविदा आवेदन हेतु शुल्क रू.500- (five hundred only) non refundable

कलेक्टर नर्मदापुरम मध्यप्रदेश शासन के परिवहन विभाग के साथ पंजीकृत प्रतिष्ठित संस्था/कंपनी टैक्सी ऑपरेटर्स किराए आधार पर निविदा ई-टेंडर के माध्यम से जिला कार्यालय एवं सत्कार व्यवस्था एवं कर्मिशयल वाहन किराये के आधार पर लेने हेतु ई-निविदा वेबसाईट www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

| | | |
|---|---|---|
| 1 | वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर निविदा उपलब्ध होने की तिथि | दिनांक 09/09/2026 |
| 2 | वेबसाईट www.mptenders.gov.in नियत शर्तो-निर्देशों के अनुसार तकनीकी और वित्तीय ई-निविदा ऑनलाईन अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय | दिनांक 30/09/2026 समय दोपहर 03.00 pm बजे तक |
| 3 | निर्धारित नियम-शर्तो/निर्देशों के अनुसार तकनीकी ई-निविदा के रूप में अन्य अभिलेखों के साथ-साथ वेब साईड में अपलोड ई-निविदा आवेदन शुल्क और धरोहर राशि (अर्नेस्टमनी) का अलग-अलग प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय | दिनांक 30/09/2026 समय दोपहर 03.00 pm बजे तक |
| 4 | निविदा समिति/अधिकृत अधिकारियों द्वारा ई-निविदा के तकनीकी प्रस्ताव खोले जाने तथा नियमानुसार तकनीकी प्रस्तावों का मूल्यांकन आदि हेतु तिथि, समय एवं स्थान | दिनांक 01/10/2026 समय दोपहर 03.00 pm बजे तक स्थान कार्यालय कलेक्टर नर्मदापुरम |
| 5 | तकनिकी ई-निविदा में सफल निविदाकारों की नियमानुसार वित्तीय ई-निविदा खोले जाने की तिथि एवं समय (तकनीकी प्रस्ताव खोले जाने के कम से कम 24 घंटे उपरांत) | कार्यालय कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देशानुसार यथा समय-स्थान- |

जी/18718/26

संयुक्त कलेक्टर
हेतु कलेक्टर नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com